State Special

दृष्टि The Vision

बिहार

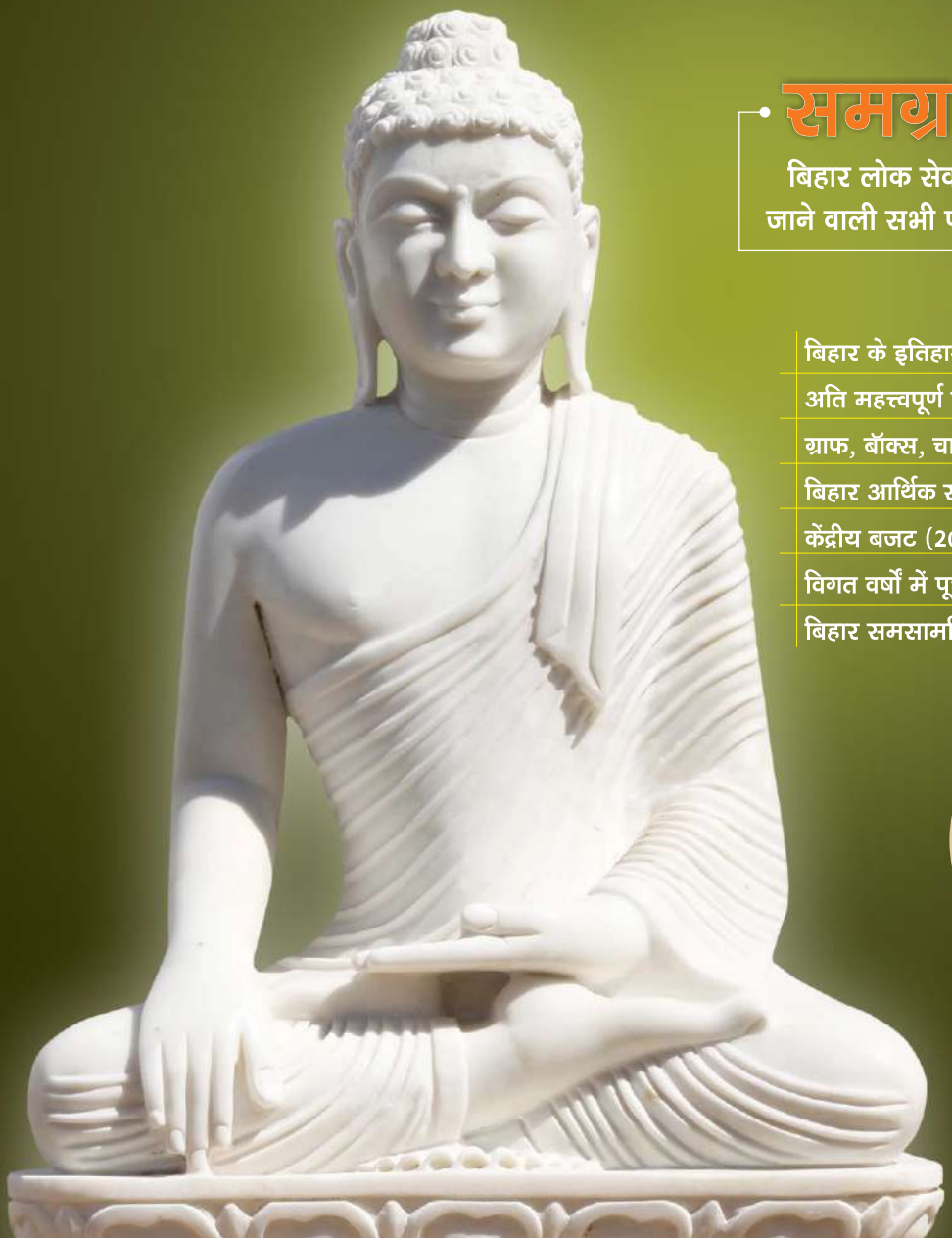

समग्र अवलोकन

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली सभी परीक्षाओं हेतु एक संपूर्ण पुस्तक

- बिहार के इतिहास का प्रामाणिक संकलन
- अति महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तथ्यों का पृथक् संचयन
- ग्राफ, बॉक्स, चार्ट इत्यादि का आकर्षक प्रस्तुतीकरण
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण एवं बिहार बजट पर अद्यतन सामग्री
- केंद्रीय बजट (2021-22) व भारत की जनगणना
- विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के साथ-साथ नए अभ्यास प्रश्न
- बिहार समसामयिकी

द्वितीय संस्करण

दृष्टि लर्निंग ऐप पर उपलब्ध प्रमुख कोर्सेज़

IAS Foundation Course

सामान्य अध्ययन

प्रिलिम्स + मेन्स

- 1200+ घंटों की 500+ कक्षाएँ
- सभी टॉपिक के लिये प्रिंटेड नोट्स
- 3 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

IAS Foundation Course

General Studies

Prelims + Mains

- 400+ Classes of 1000+ hrs.
- Printed Notes of All Segments
- Other special facilities for 3 years

IAS Prelims Course

सामान्य अध्ययन

केवल प्रिलिम्स

- 500+ घंटों की कक्षाएँ
- 'क्विक बुक सीरीज़' की 9 पुस्तकें
- 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

IAS + UPPCS + BPSC Optional Subject

हिंदी साहित्य

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

- 400+ घंटों की कक्षाएँ
- पाठ्यक्रम में शामिल सभी पाठ्य-पुस्तकें तथा प्रिंटेड नोट्स
- 145 दैनिक अभ्यास प्रश्न और 18 टेस्ट पेपर (मॉडल उत्तर सहित)

BPSC Prelims Course

बिहार PCS

- 500+ घंटों की कक्षाएँ
- 'BPSC सीरीज़' की 8 पुस्तकें
- 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

RAS/RTS Prelims Course

राजस्थान PCS

- 500+ घंटों की कक्षाएँ
- 'RAS सीरीज़' की 8 पुस्तकें
- 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

एथिक्स (पेपर-4)

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

- कुल 70 कक्षाएँ
- IAS के साथ-साथ UPPCS के लिये पूर्णतः सटीक
- मूल्यांकन की सुविधा के साथ 6 टेस्ट

निबंध

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

- कुल 13 कक्षाएँ
- IAS के साथ-साथ PCS के लिये पूर्णतः सटीक
- मूल्यांकन की सुविधा के साथ 20 टेस्ट

अतिरिक्त जानकारी के लिये 9311406442 नंबर पर कॉल या वाट्सएप करें

विज़िट करें www.drishtiIAS.com

अपने फोन पर इंस्टॉल करें Drishti Learning App

बिहार

समग्र अवलोकन

(BPSC सहित बिहार की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु समान रूप से उपयोगी)

दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtipublications.com
E-mail : booksteam@groupdrishti.com

शीर्षक : बिहार - समग्र अवलोकन

लेखक : टीम दृष्टि

द्वितीय संस्करण- जुलाई 2021

मूल्य : ₹ 300

ISBN : 978-93-90955-95-4

प्रकाशक

VDK Publications Pvt. Ltd.

(दृष्टि पब्लिकेशन्स)

641, प्रथम तल,

डॉ. मुखर्जी नगर,

दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

✸ इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।

✸ हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।

✸ सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।

✸ **© कॉपीराइट:** VDK Publications Pvt. Ltd. (दृष्टि पब्लिकेशन्स), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानांतरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

✸ एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

जब परीक्षा की घड़ी नज़दीक हो तब आपके पास पाठ्य-सामग्री के चुनाव में प्रयोग करने की छूट नहीं होती। यह समय आपको इस बात की इजाज़त नहीं देता कि पहले आप एक से अधिक पुस्तकें पढ़ें और अंतत: तैयारी के लिये किसी एक पुस्तक का चयन करें। यह भटकाव आपको निर्णायक नुकसान पहुँचा सकता है। ऐसे में आवश्यक है कि आप किसी भरोसेमंद प्रकाशन की किताब चुनें जिसकी अध्ययन सामग्री पर आप आँख मूँदकर भरोसा कर सकें। इससे आपकी एकाग्रता भी भंग नहीं होगी और आप आसानी से रिवीज़न भी कर पाएंगे। 'दृष्टि पब्लिकेशन्स' की अब तक प्रकाशित सभी पुस्तकों पर आप पाठकों ने जो गहरा विश्वास जताया है, प्रस्तुत पुस्तक 'बिहार : समग्र अवलोकन' भी उसी भरोसे पर खरा उतरने की एक कोशिश है। हमें आप पाठकों के इस आशय के सैकड़ों संदेश प्राप्त हुए कि हम 'बिहार लोक सेवा आयोग' की परीक्षा को ध्यान में रखते हुए बिहार राज्य पर केंद्रित पुस्तक का प्रकाशन करें। इसके बाद हमारी टीम ने महीनों इस पर काम किया ताकि एक परीक्षोपयोगी पुस्तक तैयार हो सके। इस प्रकार हमने इस पुस्तक को प्रकाशित किया। आपसे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि कुछ ही महीनों में इसकी सारी प्रतियाँ बिक गईं तथा अब हम पुस्तक का द्वितीय संस्करण प्रकाशित कर रहे हैं। आपके सुझावों के आधार पर हमने पुस्तक में आवश्यक परिवर्तन कर दिये हैं।

प्रारंभिक परीक्षा की अनिश्चितता से आप पाठक भली-भाँति परिचित होंगे ही; BPSC के संदर्भ में यह चुनौती और भी सघन हो जाती है। इसकी सबसे बड़ी वजह है प्रारंभिक परीक्षा प्रणाली में किया गया बदलाव। वस्तुत: पिछले कुछ वर्षों से बिहार लोक सेवा आयोग ने प्रारंभिक परीक्षा के बहुवैकल्पिक स्वरूप में परिवर्तन लाते हुए एक प्रश्न का सही उत्तर चुनने के लिये दिये जा रहे कुल चार विकल्पों की संख्या को बढ़ाकर पाँच कर दिया है अर्थात् पहले जहाँ एक विकल्प के सही होने की प्रायिकता 25 प्रतिशत होती थी वहीं वह अब घटकर 20 प्रतिशत हो गई है। फिर अगर पाँचवा विकल्प - उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक - देखें तो यह न केवल स्वयं में दो विकल्प हैं बल्कि इसकी प्रकृति भी काफी खुली है। ऐसे में अगर आपको किसी प्रश्न को लेकर ज़रा भी संशय हुआ तो पूरी संभावना है कि आप गलत विकल्प का चयन कर बैठें। इसलिये आवश्यक है कि आप प्रामाणिक पाठ्य-सामग्री का उपयोग करें जिसमें संकल्पनाओं एवं तथ्यों को लेकर कोई दुविधा न हो। प्रस्तुत पुस्तक ऐसा ही एक प्रयास है जिसमें आप तथ्यों की प्रामाणिकता को लेकर एकदम निश्चिंत रहें।

अब अगर BPSC प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का विश्लेषण करें तो इसका एक निर्णायक हिस्सा 'बिहार राज्य' से जुड़े तथ्यों से संबद्ध होता है। इसमें बिहार का इतिहास, बिहार की भौगोलिक विशेषताएँ, बिहार की आर्थिक गतिविधियाँ, बिहार की संस्कृति तथा बिहार से संबद्ध समसामयिक घटनाक्रम इत्यादि जैसे खंड सम्मिलित होते हैं। अगर इन खंडों पर ठीक पकड़ बना ली जाए तो लगभग 35-40 प्रश्न आसानी से सही किये जा सकते हैं, किंतु असली चुनौती इस विस्तृत खंड को निश्चित समयावधि में तैयार करने की है। प्रस्तुत पुस्तक के माध्यम से हमने कोशिश की है कि आपके लिये यह चुनौती भी आसान हो जाए।

पुस्तक की विषय-वस्तु की बात करें तो इसमें बिहार राज्य का संपूर्ण इतिहास तो है ही, साथ ही परीक्षा की दृष्टि से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण खंडों, जैसे- बौद्ध एवं जैन धर्म, मौर्य काल, शेरशाह सूरी, जनजातीय एवं किसान आंदोलन, 1857 का विद्रोह इत्यादि पर विशेष फोकस किया गया है। साथ ही इतिहास का खंड इस प्रकार तैयार किया गया है कि न केवल बिहार बल्कि संपूर्ण भारतीय इतिहास की तैयारी समग्रता में की जा सके। इसी प्रकार बिहार में प्रवाहित होने वाली नदियों, पर्वत-पठार, खनिज संसाधन तथा वन्यजीव अभयारण्य संबंधी सभी महत्त्वपूर्ण तथ्यों को पुस्तक में संकलित किया गया है। इसके अतिरिक्त हमारी पूरी कोशिश रही है कि छोटे-छोटे किंतु परीक्षोपयोगी खंडों पर भी इतनी सामग्री प्रस्तुत कर दी जाए कि आपके लिये कोई प्रश्न अपरिचित किस्म का न रहे। इसलिये ही पुस्तक में जनगणना संबंधी आँकड़ों के अलावा राज्य एवं केंद्र के बजट तथा आर्थिक सर्वेक्षण के सभी महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है। भारत की आधिकारिक जनगणना के महत्त्वपूर्ण आँकड़ों को पृथक रूप से संकलित कर दिया गया है ताकि तथ्यों को लेकर कोई दुविधा न हो। इन हिस्सों को ठीक से तैयार कर आप निश्चित ही कुछ अंकों की बढ़त प्राप्त कर सकेंगे।

पुस्तक में बिहार राज्य से जुड़ी समसामयिक घटनाओं का संकलन भी मिलेगा अत: इसके लिये आपको अलग से कुछ तैयार करने की ज़रूरत नहीं है। साथ ही, BPSC द्वारा विगत वर्षों के पूछे गए प्रश्नों को भी शामिल किया गया है ताकि यदि कोई प्रश्न सीधे-सीधे दुहरा दिया जाए तो आप उसे आसानी से हल कर सकें। इसके अतिरिक्त रिवीज़न हेतु नए अभ्यास प्रश्न भी दिये गए हैं। हमें पूरा विश्वास है कि यह अध्ययन सामग्री आपकी सफलता की राह आसान करेगी।

अब पुस्तक आपके हाथों में है। आप पढ़ें और इसका मूल्यांकन भी करें। आपकी प्रतिक्रिया हमें और बेहतर करने के लिये प्रोत्साहित करती है। आप अपनी प्रतिक्रिया बेझिझक **'8130392355'** नंबर पर वाट्सएप मैसेज के माध्यम से हम तक पहुँचा सकते हैं।

साभार,
प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

खंड–I

1. सामान्य परिचय 1
2. प्राचीन इतिहास 5
3. मध्यकालीन इतिहास 70
4. आधुनिक इतिहास 74
5. भौगोलिक स्थिति व उच्चावच 109
6. जलवायु एवं मृदा 112
7. अपवाह तंत्र एवं सिंचाई 115
8. कृषि व पशुपालन 122
9. वन एवं वन्यजीव अभयारण्य 132
10. खनिज संसाधन 143
11. औद्योगीकरण एवं नियोजन 148
12. ऊर्जा संसाधन 155
13. परिवहन एवं संचार 165
14. बिहार जनगणना–2011 170
15. राजव्यवस्था एवं प्रशासन 174
16. पंचायती राज व्यवस्था 184
17. शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेलकूद 188
18. पर्यटन 196
19. कला एवं संस्कृति 202
20. पुरस्कार एवं सम्मान 212
21. प्रसिद्ध व्यक्तित्व 217

खंड–II

22. भारत की जनगणना–2011 229
23. बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2020-21) व बिहार बजट (2021-22) विश्लेषण 233
24. केंद्रीय बजट (2021-22) 252
25. बिहार समसामयिकी : एक नज़र में 259
26. BPSC प्रारंभिक परीक्षा (विगत वर्षों के प्रश्नपत्र) 272

1 सामान्य परिचय (General Introduction)

- *राज्य का नाम* – बिहार, ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र में बौद्ध मठों (विहारों) की अधिकता के कारण इस क्षेत्र का नाम बिहार पड़ा। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र प्राचीन समय में बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र रहा है।
- *राज्य की स्थापना (बिहार दिवस)* – 22 मार्च, 1912
- *राज्य की राजधानी* – पटना (प्राचीन समय में पाटलिपुत्र, पुष्पपुर, कुसुमपुर तथा अज़ीमाबाद इसके अन्य नाम रहे हैं।)
- *राजकीय चिह्न* – बोधिवृक्ष (दो स्वास्तिक के बीच स्थित)
- *राजकीय भाषा* – हिंदी
- *द्वितीय राजकीय भाषा* – उर्दू
- *राजकीय वृक्ष* – पीपल
- *राजकीय पक्षी* – गौरैया
- *राजकीय पुष्प* – गेंदा (मैरीगोल्ड)
- *राजकीय मछली* – मांगुर
- *राजकीय पशु* – बैल
- *राज्य गीत* – मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत्-शत् वंदन बिहार ...
- *राज्य प्रार्थना* – मेरे रफ्तार पे सूरज की किरणें राज करें ...

- प्रथम महिला मुख्यमंत्री – राबड़ी देवी
- प्रथम विधानसभा अध्यक्ष – रामदयालु सिंह (स्वतंत्रता से पूर्व), बिंदेश्वरी प्रसाद वर्मा (स्वतंत्रता उपरांत)
- प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष – अब्दुल बारी (स्वतंत्रता से पूर्व), देवशरण सिंह (स्वतंत्रता उपरांत)
- विधानसभा में प्रथम विपक्ष के नेता – एस. के. बागे
- प्रथम विधानपरिषद सभापति – सर वाल्टन मोड़े (1921), डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा (जुलाई 1921–नवंबर 1922), राजीव रंजन प्रसाद (स्वतंत्रता उपरांत)
- प्रथम विधानपरिषद उप-सभापति – सईद हसन ईमाम (स्वतंत्रता से पूर्व), श्यामा प्रसाद सिंह (स्वतंत्रता उपरांत)
- पटना उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश – सर एडवर्ड मैनर्ड डेस चैम्प्स चैमेर (मार्च 1916), मनमोहन अग्रवाल (स्वतंत्रता उपरांत)
- प्रथम निर्दलीय मुख्यमंत्री – महामाया प्रसाद सिन्हा
- प्रथम हिंदी समाचार पत्र – बिहार बंधु
- प्रथम हिंदी फिल्म – कल हमारा है
- प्रथम भोजपुरी फिल्म – हे गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ैबो
- प्रथम मैथिली फिल्म – कन्यादान
- प्रथम दूरदर्शन प्रसारण केंद्र – मुज़फ्फरपुर (1979)

अभ्यास प्रश्न

1. बिहार की स्थापना कब की गई थी?
   (a) 1911 (b) 1912
   (c) 1913 (d) 1914
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
   66वीं, B.P.S.C. (Pre)

2. बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री कौन थे?
   (a) श्रीकृष्ण सिंह (b) सत्यपाल मलिक
   (c) नीतीश कुमार (d) राबड़ी देवी
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
   66वीं, B.P.S.C. (Pre)

3. 21 सितंबर, 2020 को वीडियो सम्मेलन द्वारा किस राज्य में 'घर तक फाइबर' योजना प्रारंभ की गई?
   (a) उत्तर प्रदेश (b) मध्य प्रदेश
   (c) बिहार (d) कर्नाटक
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
   66वीं, B.P.S.C. (Pre)

4. बिहार राज्य में गंगा के किनारे स्थित ज़िलों की संख्या है–
   (a) 21 (b) 17
   (c) 12 (d) 6
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
   65वीं, B.P.S.C (Pre)

5. 'बिहार दिवस' का क्या महत्त्व है, जो हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है?
   (a) इस दिन राज्य पुनर्गठन आयोग ने बिहार का निर्माण किया
   (b) बिहार को 1873 में इस दिन संयुक्त प्रांत से बाहर किया गया था
   (c) 1912 में बिहार के बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होने को याद करने के लिये
   (d) 12वीं शताब्दी में मुस्लिम शासकों द्वारा बिहार के नामकरण का जश्न मनाने के लिये
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
   65वीं, B.P.S.C (Pre)

6. निम्नलिखित में से किस राज्य को केंद्र सरकार द्वारा 'विशेष श्रेणी दर्जा' (SCS) कभी प्रदान नहीं किया गया?
   (a) बिहार (b) सिक्किम
   (c) हिमाचल प्रदेश (d) जम्मू और कश्मीर
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
   65वीं, B.P.S.C (Pre)

7. भारतीय जनगणना, 2011 के अनुसार, बिहार राज्य में लिंगानुपात क्या है?
   (a) 893 (b) 916
   (c) 918 (d) 925
   (e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
   64वीं, B.P.S.C (Pre)

8. जुलाई 2018 तक पटना ज़िला बिहार के कितने ज़िलों से सीमाबद्ध था?
   (a) 7 (b) 8
   (c) 9 (d) 10
   (e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
   64वीं, B.P.S.C (Pre)

9. भारत के राज्यों में से निम्नतम साक्षरता दर (2011 जनगणना) की दृष्टि से बिहार का स्थान है?
   (a) प्रथम (b) द्वितीय
   (c) तृतीय (d) चतुर्थ
   (e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
   64वीं, B.P.S.C (Pre)

10. भारतीय जनगणना, 2011 के अनुसार पुरुषों एवं स्त्रियों दोनों में प्रतिशत साक्षरता किस राज्य की न्यूनतम है?
    (a) अरुणाचल प्रदेश (b) आंध्र प्रदेश
    (c) बिहार (d) जम्मू एवं कश्मीर
    (e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
    63वीं, B.P.S.C (Pre)

उत्तरमाला

1. (b)	2. (a)	3. (c)	4. (c)	5. (c)
6. (a)	7. (c)	8. (c)	9. (a)	10. (c)

2 प्राचीन इतिहास (Ancient History)

बिहार के ऐतिहासिक परिचय को निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत दिये गए तथ्यों के आधार पर प्राप्त किया जा सकता है-

पुरापाषाण काल (Paleolithic Age)

- इस काल के प्रमुख पुरातात्त्विक अवशेष मुख्यत: दक्षिणी बिहार से प्राप्त हुए हैं। इसमें पत्थर की कुल्हाड़ी, चाकू, खुरचनी तथा उत्कीर्णक (खूर्पी) आदि हैं।
- ये अवशेष मुख्यत: गया की जेठियन व पेमार घाटी, मुंगेर के भीम बांध व पैसरा, भागलपुर के राजपोखर व मालीजोर, पश्चिमी चंपारण के बाल्मीकि नगर तथा नालंदा क्षेत्र से प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त गया ज़िले की शेरघाटी में प्रागैतिहासिक मानव के चट्टानी आवास के दो साक्ष्य भी मिले हैं।

मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)

इस काल के साक्ष्यों के अंतर्गत मुंगेर ज़िले से छोटे आकार के पत्थर-निर्मित तेज़ हथियार तथा नोक वाले औज़ार मिले हैं।

नवपाषाण काल (Neolithic Age)

इस काल के साक्ष्यों के अंतर्गत पत्थर के सूक्ष्म औज़ारों के साथ-साथ हड्डी निर्मित उपकरण प्रमुख हैं, जो चिरांद (सारण), मनेर (पटना), चेचर व कुतुबपुर (वैशाली), ताराडीह (गया) तथा सेनुआर (रोहतास) से मिले हैं। इनमें चिरांद हड्डी के उपकरणों के लिये पूरे देश में विख्यात है।

ताम्रपाषाण काल (Chalcolithic Age)

इस काल के साक्ष्य चिरांद (सारण), सोनपुर (बेलागंज प्रखंड, गया), मनेर (पटना), चेचर (वैशाली), राजगीर (नालंदा), सेनुआर (रोहतास) तथा ओरियम (भागलपुर) से मिले हैं। इनमें काले एवं लाल मृद्भांड प्रमुख हैं, जो सामान्यत: 1000 ई.पू. से 900 ई.पू. तक के माने जाते हैं।

लौह युग (Iron Age)

- इस काल के दौरान मानवीय बस्तियों के उत्तर बिहार क्षेत्र में स्थापित होने के संकेत मिलते हैं। इस काल के अंतर्गत लोहे का उपयोग मुख्यत: औज़ार बनाने के लिये होता था।
- इस काल के दूसरे चरण को सामान्यत: उत्तरी काले चमकीले मृद्भांडों से जाना जाता है, जिसके साक्ष्य बक्सर व चिरांद से मिले हैं।
- इस काल में कृषि कार्यों में लोहे का प्रयोग शुरू होने लगा था, साथ ही नगरीकरण की शुरुआत भी हो गई थी।

सिंधु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization)

भूमिका

वर्षों पुरानी सिंधु घाटी सभ्यता बीसवीं सदी के द्वितीय दशक तक एक गुमनाम सभ्यता थी अर्थात् लोग इस सभ्यता के बारे में अपरिचित थे। विद्वानों की धारणा थी कि सिकंदर के आक्रमण (326 ई.पू.) के पूर्व भारत में कोई सभ्यता ही नहीं थी। बीसवीं सदी के तृतीय दशक में दो पुरातत्त्वशास्त्रियों-दयाराम साहनी तथा राखालदास बनर्जी ने हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो के प्राचीन स्थलों से पुरावस्तुएँ प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि सिकंदर के आक्रमण के पूर्व भी एक सभ्यता थी, जो अपनी समकालीन सभ्यताओं में सबसे विकसित थी।

कालांतर में सर जॉन मार्शल, माधव स्वरूप वत्स, के.एन. दीक्षित, अर्नेस्ट मैके, ऑरेल स्टेइन, अमलानंद घोष, जे.पी. जोशी आदि विद्वानों ने उत्खनन करके महत्त्वपूर्ण सामग्रियाँ प्राप्त की। उत्खनन से प्राप्त अवशेषों के आधार पर इस पूरी सभ्यता को 'सिंधु घाटी सभ्यता', अथवा इसके मुख्य स्थल हड़प्पा के नाम पर 'हड़प्पा सभ्यता' कहा जाता है।

नामकरण

सिंधु घाटी सभ्यता का क्षेत्र अत्यंत व्यापक था। आरंभ में हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई से इस सभ्यता के प्रमाण मिले हैं अत: विद्वानों ने इसे सिंधु घाटी सभ्यता का नाम दिया। क्योंकि ये क्षेत्र सिंधु और उसकी सहायक नदियों के क्षेत्र में आते हैं, पर बाद में लोथल, कालीबंगा, बनावली, रंगपुर आदि क्षेत्रों में भी इस सभ्यता के अवशेष मिले जो सिंधु और उसकी सहायक नदियों के क्षेत्र से बाहर थे। अत: इतिहासकार इस सभ्यता का प्रथम ज्ञात एवं प्रमुख केंद्र हड़प्पा होने के कारण इस सभ्यता को 'हड़प्पा की सभ्यता' नाम देना उचित मानते हैं।

सिंधु घाटी सभ्यता का भौगोलिक विस्तार

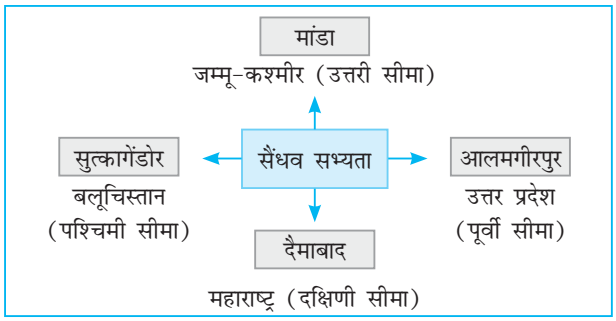

- सिंधु घाटी सभ्यता कांस्ययुगीन सभ्यता थी, जिसका उद्भव ताम्रपाषाण काल में भारत के पश्चिमी क्षेत्र में हुआ था और इसका विस्तार भारत के अलावा पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान के कुछ क्षेत्रों में भी था।

3 मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)

बिहार के मध्यकालीन इतिहास के अंतर्गत हम लगभग 12वीं सदी के मध्य से लेकर 17वीं सदी के मध्य तक की घटनाओं को शामिल करते हैं। इसका आरंभ बिहार में तुर्कों के आगमन से होता है, जबकि अंत यूरोपियन के आगमन से।

सल्तनतकाल में बिहार (Bihar in Sultanate Period)

- बिहार को जीतने वाला प्रथम मुस्लिम विजेता **बख्तियार खिलजी** को माना जाता है। वस्तुतः उसने 12वीं सदी के अंत तथा 13वीं सदी के प्रारंभ के मध्य बिहार पर आक्रमण किया था।
- इतिहासकारों के अनुसार बख्तियार खिलजी ने ओदंतपुरी तथा नालंदा विश्वविद्यालय का विनाश किया। बख्तियार खिलजी के समय बिहार शरीफ तुर्क शासन का प्रमुख केंद्र था।
- बख्तियारपुर शहर का संस्थापक **बख्तियार खिलजी** को ही माना जाता है। इसने स्वयं द्वारा विजित तत्कालीन प्रदेशों की राजधानी लखनौती (लक्ष्मणवटी) को बनाया था।
- बख्तियार खिलजी ने मिथिला क्षेत्र के कर्नाट वंशीय शासक नरसिंहदेव तथा जयनगर के गुप्त शासकों को भी अपनी अधीनता स्वीकार कराई।
- बख्तियार खिलजी की हत्या उसके ही अधिकारी अलीमर्दान खिलजी ने की थी।
- 1225 ई. में इल्तुतमिश ने बिहार शरीफ तथा बाढ़ (Barh) पर अधिकार किया। इस दौरान उसने राजमहल की पहाड़ियों में हिसामुद्दीन इवाज को हराया।
- 'मलिक अलाउद्दीन जानी' को इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था।
- 1229–30 ई. में बिहार तथा बंगाल को पुनः विभाजित कर दिया। उल्लेखनीय है कि मलिक जानी के बाद इल्तुतमिश के पुत्र नासिरुद्दीन महमूद ने अवध, बिहार तथा लखनौती (बंगाल) को एक कर दिया था।
- सैफुद्दीन ऐबक एवं तुगान ख़ाँ भी इल्तुतमिश के द्वारा ही बिहार के सूबेदार बने।
- ग़यासुद्दीन तुगलक ने 1324 ई. में बंगाल अभियान से वापसी के दौरान कर्नाट वंश के अंतिम शासक हरिसिंह देव को हराया।
- मोहम्मद बिन तुगलक के समय बिहार का सूबेदार/प्रांतपति मज्दुल मुल्क था।
- ऐसा माना जाता है कि फिरोज़शाह तुगलक ने राजगृह (राजगीर) के जैन मंदिरों को दान दिया था।
- तुगलक काल में बिहार की राजधानी बिहार शरीफ थी। इस समय का प्रमुख प्रशासक मलिक इब्राहिम (मलिक बया) को माना जाता है, जिसका मकबरा बिहार शरीफ में स्थित है।
- 1394 ई. में ख़्वाजा जहाँ बिहार का सूबेदार नियुक्त (सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद द्वारा) हुआ।

शेरशाह सूरी *(Shershah Suri)*

- यह तत्कालीन सहसराम (सासाराम) के जागीरदार हसन ख़ाँ सूर का पुत्र था।
- शेरशाह का बचपन का नाम फारीद ख़ाँ था।
- फरीद ख़ाँ ने तलवार से एक शेर को मार डाला था उसकी इस बहादुरी से प्रसन्न होकर बिहार के अफगान शासक सुल्तान मुहम्मद बहार ख़ाँ लोहानी ने उन्हें शेर ख़ाँ की उपाधि प्रदान की।
- 1534 ई. में शेरशाह ने सूरजगढ़ा के युद्ध में बंगाल की सेना को हराया।
- 26 जून, 1539 को इसने चौसा (बक्सर) के युद्ध में मुगल शासक हुमायूँ को हराया।
- शेर ख़ाँ चौसा की लड़ाई में विजय प्राप्त करने के बाद 'शेरशाह' की उपाधि धारण कर सिंहासन पर विराजमान हुआ।
- चौसा में पराजित होने के एक वर्ष बाद ही हुमायूँ द्वारा 1540 ई. में कन्नौज या बिलग्राम के निकट फिर एक युद्ध के लिये शेरशाह को ललकारा गया। इसे बिलग्राम के युद्ध (17 मई, 1540 ई.) के नाम से जानते हैं, इसमें शेरशाह को विजय प्राप्त हुई।
- 10 जून, 1540 को आगरा में विधिवत रूप से शेरशाह का राज्याभिषेक हुआ।
- शेरशाह ने अपने शासनकाल में पटना का दुर्ग बनवाया और इस नगर को पुनः 1541 ई. में बिहार की राजधानी बनाया।
- 'तारीख़े दाऊदी', जिसकी रचना अब्दुल्लाह ने की है, के अनुसार शेरशाह ने पटना को राजधानी बनाने के साथ ही यहाँ दुर्ग का भी निर्माण करवाया।
- शेरशाह का मकबरा सासाराम में स्थित है। जिसके निर्माण कार्य का आरंभ स्वयं शेरशाह ने, जबकि पूरा इस्लाम शाह ने करवाया था।
- शेरशाह द्वारा **सुलेमान करारानी** को बिहार के सूबेदार (मुक्ता) का पद प्रदान किया गया था।
- शेरशाह द्वारा सूरवंश की स्थापना की गई तथा देश में डाक-प्रथा का प्रचलन उन्होंने ही आरंभ किया
- शेरशाह सूरी एक दूरदर्शी एवं कुशल प्रशासक था। उसने अपने शासनकाल में एक बेहद विशाल 'ग्रैंड ट्रंक रोड' का निर्माण करवाकर यातायात की व्यवस्था सुगम की थी। इससे वे दक्षिण भारत को उत्तर भारत से जोड़ना चाहते थे।

4 आधुनिक इतिहास (Modern History)

भूमिका (Introduction)

बीती हुई घटनाओं का लिखित एवं प्रामाणिक विवरण ही इतिहास कहलाता है। बिहार में आधुनिक इतिहास का कालक्रम सामान्यत: यूरोपीय व्यापारियों के आगमन से माना जाता है। चूँकि यूरोपीय व्यापारियों ने भारत आगमन के क्रम में बिहार का भी चक्कर लगाया तथा बिहार के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार को सफल बनाया। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए विभिन्न यूरोपीय राष्ट्रों ने बिहार में अनेक फैक्टरियाँ स्थापित कीं। अंततोगत्वा, बिहार की राजनीति में हस्तक्षेप कर शासन संचालन हेतु सर्वेसर्वा बने। तत्पश्चात् बिहार के लोगों में भी राष्ट्रवादी भावना उजागर हुई तथा स्वतंत्र राज्य की मांग उठने लगी, जिसका आगे चलकर स्वतंत्र बिहार राज्य के रूप में गठन हुआ।

आधुनिक बिहार में यूरोपीय व्यापारियों के आगमन का क्रम

पुर्तगाली → डच → फ्राँसीसी → डेनिश → अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी

- **बिहार में पुर्तगाली व्यापारियों का आगमन:** सर्वप्रथम बिहार में पुर्तगाली व्यापारी आए जो बंगाल के हुगली में स्थापित व्यापारिक केंद्र से नाव के माध्यम से पटना आया-जाया करते थे। पुर्तगालियों द्वारा निर्यातित वस्तुओं में मुख्यत: चीनी मिट्टी के बर्तन तथा विभिन्न प्रकार के मसाले थे जबकि आयातित वस्तुओं में मुख्य रूप से सूती वस्त्र एवं अन्य प्रकार के वस्त्र होते थे।
- **बिहार में डच व्यापारियों का आगमन:** डचों ने सर्वप्रथम 1632 ई. में वर्तमान पटना कॉलेज के उत्तरी भाग में स्थित इमारत में प्रथम डच फैक्टरी की स्थापना की थी। डचों का अधिकांश रुझान शोरे के व्यापार की तरफ था। इसके अलावा चीनी, अफीम एवं सूती वस्त्र के व्यापार में भी इनकी काफी अभिरुचि रही।
- सम्मिलित रूप से बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा में व्यापार करने हेतु डच प्रधान नाथियस वैगडेंन बरूक ने मुगल सम्राट औरंगज़ेब से 1662 ई. में एक फरमान प्राप्त किया।
- **बिहार में फ्राँसीसी व्यापारियों का आगमन:** बिहार में फ्राँसीसी कंपनी का अस्तित्व पटना में 1734 ई. में माल गोदाम की स्थापना से माना जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य बिहार से शोरा प्राप्त करके अपने व्यापार को उन्नत स्वरूप में स्थापित करना था।
- फ्राँसीसी कंपनी का प्रमुख एम. जींयालॉ बंगाल छोड़कर 2 मई, 1757 ई. को बिहार के भागलपुर तथा 3 जून, 1757 ई. को पटना पहुँचा।
- **बिहार में डेनिश व्यापारियों का आगमन:** सर्वप्रथम बिहार के पटना में डेनिश फैक्टरी की स्थापना 1774–75 ई. में हुई। ये मुख्यत: शोरे का व्यापार करते थे, बाद में ब्रिटिश कंपनी से मतभेद होने के पश्चात् इनके व्यापारिक फैक्टरी एवं स्थल ज़ब्त हो गए।
- **बिहार में अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी का आगमन:** पहली बार पटना में अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रमुख के रूप में 1664 ई. में जॉब चारनॉक को नियुक्त किया गया, जो 1680–81 ई. तक इस पद पर रहा। 1691 ई. में पटना के गुलज़ार बाग में अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी का स्थायी माल गोदाम स्थापित हुआ। प्लासी की लड़ाई (23 जून, 1757 ई.) एवं बक्सर के युद्ध (22 अक्तूबर, 1764 ई.) में अंग्रेज़ों के विजित होने के पश्चात् बिहार पूर्ण रूप से अंग्रेज़ी शासन के अधीन हो गया, जिसकी पुष्टि इलाहाबाद की संधि (12 अगस्त, 1765 ई.) से हुई। इस संधि के तहत अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी को सम्मिलित रूप से बिहार, बंगाल तथा उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हो गई। इस संधि में मुख्य रूप से पराजित पक्ष का नेतृत्व मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय ने किया जबकि विजित पक्ष का नेतृत्व ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रधान रॉबर्ट क्लाइव ने किया।
- **अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध बिहार में विभिन्न विद्रोह:** एक तरफ जहाँ आम जनों के प्रति मुगलों एवं मराठों तथा स्थानीय ज़मींदारों की नीतियाँ शोषणपरक एवं दमनात्मक रूप लिये हुए थीं तो दूसरी तरफ अंग्रेज़ी कंपनी स्व-लाभ को ध्यान में रखकर जनजातियों, किसानों एवं श्रमिकों के प्रति कठोरतापूर्वक नियम-कानून लागू करने पर डटा रहा। अत: इन सभी वर्गों ने अपने-अपने अधिकार की प्राप्ति हेतु समय-समय पर विभिन्न प्रकार से विद्रोह किया।

बिहार में जनजातीय आंदोलन *(Tribal Movement in Bihar)*

- 19वीं शताब्दी में बिहार के जनजातीय बहुल इलाकों (वर्तमान झारखंड) में ब्रिटिश सरकार तथा इनके द्वारा नियुक्त एजेंटों, व्यापारियों, महाजनों के खिलाफ अनेक सशस्त्र विद्रोह देखने को मिले।
- इन विद्रोहों के मूल में जाने पर कई कारण दृष्टिगत होते हैं, जिसके चलते इन्हें विद्रोह करने पर मजबूर होना पड़ा।
- आदिवासी जीवन पद्धति में वन तथा वनोपज का काफी महत्त्व था। यह उनके आर्थिक उपार्जन का मुख्य आधार था। इस तरह ब्रिटिश सरकार द्वारा जब वनों को सरकारी संपत्ति घोषित किया गया तो यह आदिवासियों के पारंपरिक अधिकारों पर कुठाराघात था।
- भू-राजस्व की नवीन पद्धति से महाजनी व्यवस्था को बढ़ावा मिला तथा ऋण के कुचक्र में फँसकर आदिवासी अपनी ही ज़मीन से बेदखल किये जाने लगे।

5 भौगोलिक स्थिति व उच्चावच (Geographical Location and Relief)

भूमिका (Introduction)

किसी भी राज्य के भौगोलिक परिदृश्य के बारे में जानने के लिये उसकी भौगोलिक स्थिति व उच्चावच जानना आवश्यक होता है। इस संदर्भ में बिहार की भौगोलिक स्थिति व उच्चावच में काफी विविधता पाई जाती है। इनमें पर्वत, पठार, मैदान और अन्य भौगोलिक उच्चावच मिलकर बिहार की भौगोलिक संरचना को एक विशेष रूप प्रदान करते हैं।

बिहार की भौगोलिक स्थिति (Geographical Location of Bihar)

- बिहार भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक भू-आवेष्ठित राज्य है। इसके उत्तर में नेपाल, दक्षिण में झारखंड, पूर्व में पश्चिम बंगाल तथा पश्चिम में उत्तर प्रदेश स्थित है।
- बिहार राज्य का भौगोलिक विस्तार 24°20'10" उत्तरी अक्षांश से 27°31'15" उत्तरी अक्षांश तथा 83°19'50" पूर्वी देशांतर से 88°17'40" पूर्वी देशांतर के मध्य है।
- इसका संपूर्ण क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किमी. है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रफल 92,257.51 वर्ग किमी. तथा शहरी क्षेत्रफल 1905.49 वर्ग किमी. है। यह भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.86% है।
- बिहार की उत्तर से दक्षिण तक अधिकतम लंबाई 345 किमी. तथा पूरब से पश्चिम तक अधिकतम चौड़ाई 483 किमी. है।
- समुद्र तट से बिहार की दूरी लगभग 200 किमी. है। समुद्र तल से इस राज्य की ऊँचाई 173 फीट है तथा यह गंगा-हुगली नदी मार्ग द्वारा समुद्र से जुड़ा है।

भूगर्भिक संरचना *(Geological Structure)*

बिहार की भूगर्भिक संरचना के अध्ययन हेतु विभिन्न युग में निर्मित चट्टानों का प्रयोग किया जाता है।

बिहार में पाई जाने वाली चट्टानों को 4 प्रमुख संरचनात्मक समूहों में रखा जाता है- 1. धारवाड़ चट्टानें, 2. विंध्यन समूह की चट्टानें, 3. टर्शियरी चट्टानें, 4. क्वाटर्नरी चट्टानें

धारवाड़ चट्टानें

- प्री-कैंब्रियन युग में निर्मित ये चट्टानें बिहार के दक्षिण-पूर्वी भाग, मुंगेर में स्थित खड़गपुर की पहाड़ी, जमुई, नवादा, राजगीर आदि स्थानों पर पाई जाती हैं।
- स्लेट, क्वार्टज़ाइट आदि धारवाड़ समूह की चट्टानें हैं।

विंध्यन समूह की चट्टानें

- इस समूह की चट्टानें सोन नदी के उत्तर में स्थित रोहतास तथा कैमूर ज़िले में पाई जाती हैं। इन चट्टानों से सीमेंट उद्योग के लिये चूना-पत्थर तथा गंधक निर्माण के लिये पायराइट मिलता है।
- बालू-पत्थर, क्वार्टज़ाइट, डोलोमाइट, चूना पत्थर आदि इस समूह की चट्टानें हैं।
- इस समूह की चट्टानों का प्रयोग सासाराम, आगरा, दिल्ली तथा जयपुर में निर्मित ऐतिहासिक स्मारकों तथा सारनाथ, साँची के बौद्ध स्तूपों में किया गया है।

टर्शियरी चट्टानें

टर्शियरी युग की चट्टानें पश्चिमी चंपारण के उत्तर-पश्चिमी भाग-रामनगर दून तथा सोमेश्वर श्रेणी में पाई जाती हैं।

क्वाटर्नरी चट्टानें

- इन चट्टानों का निर्माण प्लीस्टोसीन काल में हुआ है। ये चट्टानें जलोढ़, बालू-बजरी, बालू-पत्थर, कांग्लोमरेट आदि द्वारा निर्मित हैं।
- इन चट्टानों का निक्षेप शिवालिक के उत्थान के पश्चात् इसके दक्षिण में स्थित सिंधु-गंगा द्रोणी में हुआ है।
- नदियों द्वारा इस निक्षेपण के कारण यहाँ मंद ढाल वाले विशाल मैदान का निर्माण हुआ है, जिसे 'बिहार का मैदान' कहा जाता है।
- संपूर्ण बिहार के मैदानी भागों में जलोढ़ की गहराई एकसमान नहीं पाई जाती है। गंगा के दक्षिणी भाग में जलोढ़ की गहराई पहाड़ियों के निकट अपेक्षाकृत कम पाई जाती है, जबकि पश्चिम की ओर बढ़ने पर इसकी गहराई बढ़ती है।
- गंगा के दक्षिणी भाग में सबसे गहरे जलोढ़ बेसिन बक्सर तथा मोकामा के बीच पाए जाते हैं।
- आरा, डुमराँव, बिहटा तथा पुनपुन को अगर एक काल्पनिक रेखा से मिलाया जाए तो इसके समानांतर स्थित हिंज रेखा के समीप जलोढ़ की गहराई एकाएक 300-350 मीटर से बढ़कर 700 मीटर तक हो जाती है।
- मुज़फ्फरपुर तथा सारण के मध्य जलोढ़ बेसिन की अधिकतम गहराई 1000 से 2500 मीटर के बीच पाई जाती है।

बिहार में प्राकृतिक उच्चावच *(Natural Relief in Bihar)*

उच्चावच के आधार पर बिहार को 3 भागों में विभाजित किया जाता है-

1. शिवालिक पर्वत श्रेणी एवं तराई क्षेत्र
2. बिहार का मैदान
3. दक्षिण का पठार

6 जलवायु एवं मृदा (Climate and Soil)

भूमिका (Introduction)

किसी भी स्थान के वातावरण की दीर्घकालिक स्थिति जलवायु कहलाती है। बिहार की जलवायु में भी अन्य राज्यों की तरह क्षेत्रीय विविधता दिखाई देती है। एक ही समय में बिहार के कुछ क्षेत्र जलप्लावित रहते हैं जबकि दूसरी तरफ सूखा का प्रकोप रहता है। इस प्रकार की विविधता जलवायु द्वारा निर्धारित होती है, जिसका स्पष्ट प्रभाव यहाँ की मृदा पर भी पड़ता है।

जलवायु *(Climate)*

- बिहार में मानसूनी प्रकार की जलवायु पाई जाती है। अपने अक्षांशीय विस्तार के आधार पर यह उपोष्ण जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत आता है।
- यहाँ की जलवायु में महाद्वीपीय लक्षण पाए जाते हैं।
- इसके पूर्वी भाग में आर्द्र तथा पश्चिमी भाग में अर्द्धशुष्क जलवायु मिलती है।
- कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के आधार पर बिहार का उत्तरी भाग Cwg तथा दक्षिणी भाग Aw जलवायु के अंतर्गत आता है।
- बिहार की जलवायु को हिमालय की अवस्थिति, कर्क रेखा से दूरी, बंगाल की खाड़ी से इसकी निकटता, ग्रीष्मकालीन तूफान तथा दक्षिण-पश्चिम मानसून की क्रियाशीलता जैसे कारक प्रभावित करते हैं।

बिहार में मुख्य रूप से तीन ऋतुएँ पाई जाती हैं-

ग्रीष्म ऋतु (मार्च से जून के मध्य तक)
[Summer season (March to mid June)]

- सूर्य के उत्तरायण होने के कारण इस समय तापमान में बढ़ोतरी होती जाती है। यहाँ मई का महीना सर्वाधिक गर्म होता है।
- ग्रीष्म ऋतु में बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न होने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के कारण बिहार के पूर्वी हिस्से में बारिश होती है। इस वर्षा को 'नार्वेस्टर' कहा जाता है।
- बिहार का सबसे गर्म स्थान गया ज़िले में है।

वर्षा ऋतु (मध्य जून से मध्य अक्तूबर तक)
[Rainy season (Mid June to mid October)]

- बिहार में मानसून का आगमन मध्य जून से होता है। यहाँ जुलाई एवं अगस्त में अत्यधिक वर्षा होती है।
- बिहार में वर्षा मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण होती है। यहाँ की औसत वार्षिक वर्षा 125 से.मी. है।
- यहाँ सर्वाधिक वर्षा किशनगंज ज़िले में, जबकि सबसे कम वर्षा पटना के पश्चिम में स्थित त्रिकोणीय भूखंड पर होती है।
- इस राज्य में मानसून प्रत्यावर्तन का काल मध्य अक्तूबर से नवंबर तक होता है।

शीत ऋतु (नवंबर से फरवरी तक)
[Winter season (November to February)]

- इस ऋतु में भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले चक्रवातीय तूफानों से झंझावातीय वर्षा होती है।
- यह वर्षा रबी की फसल के लिये लाभदायक मानी जाती है।
- बिहार में शीत ऋतु का सर्वाधिक ठंडा महीना जनवरी का होता है। इस समय औसत न्यूनतम तापमान 7.5° सेंटीग्रेड के आस-पास रहता है।

मृदा/मिट्टी *(Soil)*

बिहार सरकार के कृषि अनुसंधान विभाग के द्वारा भौतिक, रासायनिक तथा संरचनात्मक विशेषताओं के आधार पर यहाँ की मृदा को तीन भागों में विभाजित किया गया है-

(i) गंगा के उत्तरी मैदान की मृदा (ii) गंगा के दक्षिणी मैदान की मृदा (iii) दक्षिणी पठार की मृदा

गंगा के उत्तरी मैदान की मृदा (Soil Of Northern Plain Of Ganga)

गंगा के उत्तरी मैदान में पाई जाने वाली मृदा जलोढ़ प्रकार की होती है। इस मिट्टी में अभ्रक, लौह अयस्क, क्वार्ट्ज़, फेल्सपार जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। गंगा के उत्तरी मैदान में तीन प्रकार की मृदा प्रमुख रूप से पाई जाती है-

दलदली या तराई क्षेत्र की मृदा

- यह मिट्टी बिहार की उत्तरी सीमा से लेकर पश्चिमी चंपारण की पहाड़ियों के साथ-साथ किशनगंज तक 5–7 किमी. की चौड़ी पट्टी के रूप में मिलती है।
- इसका रंग हल्का पीला तथा भूरा होता है।
- इस मिट्टी के ज़्यादातर भागों में कंकड़ तथा रेत की मात्रा अधिक पाई जाती है। इस मिट्टी की उर्वरता मध्यम श्रेणी की होती है।

खादर या नवीन जलोढ़ मृदा

- इस मिट्टी का सहरसा, मुज़फ्फरपुर, दरभंगा, चंपारण तथा पूर्णिया ज़िले के कोसी क्षेत्र में सर्वाधिक विस्तार पाया जाता है।
- यह मिट्टी काफी उर्वर होती है, जिसमें धान, गेहूँ तथा जूट की खेती की जा सकती है।
- यह गहरे भूरे रंग की होती है।

बलसुंदरी मृदा या बांगर मिट्टी

- यह पुरानी जलोढ़ (बांगर) मिट्टी है, जिसमें चूने की मात्रा 30% से अधिक होती है।

7 अपवाह तंत्र एवं सिंचाई (Drainage System and Irrigation)

भूमिका (Introduction)

बिहार में विद्यमान अपवाह तंत्र के अंतर्गत मुख्यत: नदियों, झीलों, आर्द्रभूमि, जलप्रपात तथा विभिन्न गर्म जलकुंडों को शामिल किया जाता है। इस अपवाह तंत्र के अंतर्गत विभिन्न नदियों से निकाली गई नहरों तथा नलकूपों, तालाबों एवं कुओं के माध्यम से संपूर्ण प्रदेश में सिंचाई की जाती है।

नदियाँ *(Rivers)*

बिहार में प्रवाहित होने वाली प्रमुख नदियाँ निम्नलिखित हैं-

गंगा

- मूल रूप से यह नदी भागीरथी के नाम से गंगोत्री हिमनद (उत्तराखंड) से निकलती है। देवप्रयाग (उत्तराखंड) में भागीरथी व अलकनंदा के संगम के बाद इसे गंगा के नाम से जाना जाता है।
- बिहार में इस नदी की लंबाई लगभग 445 किलोमीटर है। हालाँकि, भारत में इसकी कुल लंबाई लगभग 2525 किलोमीटर है।
- बिहार में यह नदी (पश्चिम से पूर्व के क्रम में) मुख्यत: बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर तथा कटिहार ज़िलों से प्रवाहित होती है।
- यह नदी चौसा (बक्सर) के पास बिहार में प्रवेश करती है तथा कटिहार (बिहार) एवं साहेबगंज (झारखंड) के बीच सीमा बनाते हुए पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर जाती है।
- बिहार में इसमें बाईं ओर (उत्तर दिशा) से मिलने वाली नदियों में घाघरा, गंडक, बागमती, बलान, बूढ़ी गंडक, कोसी, कमला तथा महानंदा प्रमुख हैं।
- इसमें दाईं ओर (दक्षिण दिशा) से मिलने वाली नदियों में सोन, कर्मनाशा, पुनपुन तथा किऊल प्रमुख हैं।

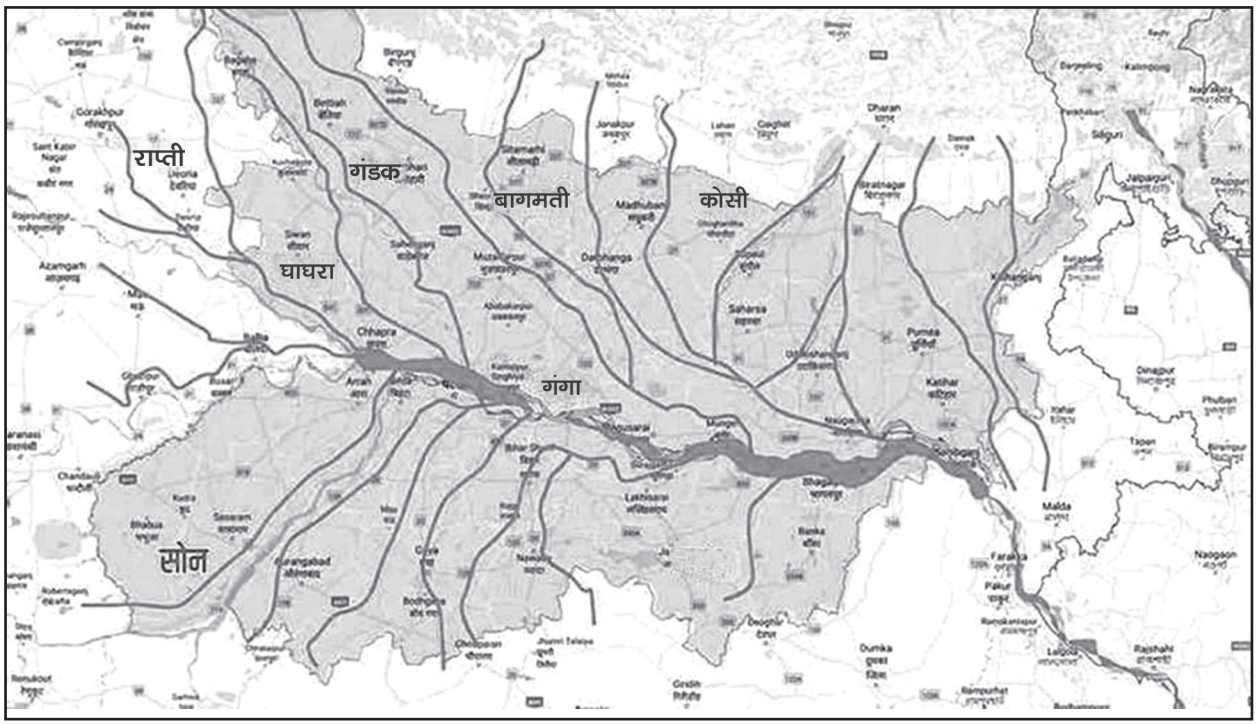

घाघरा (सरयू) नदी

- इस नदी का उद्गम तिब्बत के पठार पर मानसरोवर झील के पास स्थित मापचोचुंग हिमनद (ग्लेशियर) से होता है।
- बिहार में इस नदी की लंबाई मात्र 83 किलोमीटर है। यह दरौली (सिवान ज़िला) के नज़दीक बिहार में प्रवेश करती है तथा रिविलगंज (सारण ज़िला) के पास गंगा में मिल जाती है।
- इस नदी को सरयू तथा करनाली के नाम से भी जाना जाता है।

8 कृषि व पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry)

भूमिका (Introduction)

कृषि व पशुपालन बिहार में आजीविका का प्रमुख साधन है। जो राज्य की खाद्य सुरक्षा, रोज़गार और ग्रामीण विकास को सहारा देता है। इस कार्य में बिहार की लगभग 75 प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या लगी हुई है। यहाँ खाद्यान्न फसलों के अंतर्गत मुख्यत: धान, गेहूँ, मक्का, जौ, ज्वार, रागी, बाजरा, सरसों, अरहर, चना, मसूर तथा नकदी या व्यावसायिक फसलों के अंतर्गत गन्ना, मेस्ता, मखाना, मिर्च, चाय, जूट तथा तंबाकू की कृषि की जाती है। पशुपालन के अंतर्गत मुख्यत: गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूअर, मुर्गीपालन तथा मत्स्यपालन का कार्य किया जाता है।

कृषि *(Agriculture)*

- बिहार एक कृषि-प्रधान राज्य है। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आश्रित है।
- वर्ष 2018-19 में राज्य का सकल शस्य क्षेत्र 74.06 लाख हेक्टेयर था। यहाँ का मुख्य भोजन चावल है। यही कारण है कि यहाँ के सभी ज़िलों में धान की खेती की जाती है।
- राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि और सहवर्ती क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2019-20 में 18.7 प्रतिशत था।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का हिस्सा (2017-18 से 2019-20)

(प्रतिशत)

क्षेत्र	2017-18	2018-19 (अनंतिम)	2019-20 (त्वरित)	वार्षिक चक्रवृद्धि दर (%)
कृषि, वन एवं मत्स्याखेट	21.4	20.0	18.7	4.5
फसल	12.4	11.1	9.7	1.6
पशुधन	5.7	5.8	5.9	9.1
वानिकी एवं काष्ठ उत्पादन	1.7	1.6	1.52	6.9
मत्स्याखेट एवं जलकृषि	1.7	1.6	1.54	6.6

टिप्पणी: (क) 2018-19 के आँकड़े अनंतिम अनुमान और 2019-20 के आँकड़े त्वरित अनुमान हैं।

(ख) वार्षिक चक्रवृद्धि दर की गणना 5 वर्षों (2015-16 से 2019-20) के लिये की गई है।

स्रोत: *आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार सरकार*

- वर्ष 2019-20 में पशुधन का राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 6 प्रतिशत और कृषिगत सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 32 प्रतिशत का योगदान था। राज्य में वर्ष 2003 से 2019 के बीच पशुधन की कुल संख्या 29.09 प्रतिशत बढ़कर 2.696 करोड़ से 3.654 करोड़ हो गई है।

पशु संपदा (2012 और 2019)

(आँकड़े लाख में)

पशुधन और पॉल्ट्री	2012	2019
गाय-बैल	122.3	154.0
3 साल से बड़ा नर	19.2	13.5
3 साल से बड़ी मादा	59.8	71.5
बच्चे	43.3	69.0
भैंस-भैंसा	75.7	77.2
3 साल से बड़ा नर	3.0	4.6
3 साल से बड़ी मादा	40.2	36.7
बच्चे	3.25	3.59
भेड़	2.3	2.1
बकरा-बकरी	121.5	128.2
सूअर	6.5	3.4
घोड़ा-घोड़ी	0.5	0.3
अन्य	0.6	0.1
कुल पशुधन	329.4	365.4
कुल पॉल्ट्री पक्षी	127.5	165.3

स्रोत: *पशुपालन एवं डेयरी विभाग, बिहार सरकार*

बिहार की कृषि संरचना (Agricultural Structure of Bihar)

- बिहार में गंगा के उत्तरी मैदान में कृषि की सघनता अधिक है। इस क्षेत्र के लगभग 65-80 प्रतिशत भू-भाग पर कृषि की जाती है।
- उत्तरी बिहार में कृषि प्रणाली काफी उन्नत किस्म की है, यही कारण है कि इस क्षेत्र में अवस्थित गंडक एवं कोसी के मैदानी भागों में वर्ष में चार प्रकार की फसलें उपजाई जाती हैं।

9 वन एवं वन्यजीव अभयारण्य (Forest and Wildlife Sanctuary)

भूमिका (Introduction)

सामान्य अवधारणाओं के अनुसार, धरातल पर पाए जाने वाले पेड़, पौधे, घास, झाड़ियाँ एवं लताओं के समूह को वन कहा जाता है। सघन जनसंख्या एवं कृषि भूमि की अधिकाधिक मांग होने के कारण बिहार में वन क्षेत्र का विस्तार कम हो पाया है। दूसरी बात यह भी है कि बिहार में वन निर्धारण के प्रमुख कारकों में से वर्षा की मात्रा का अहम योगदान रहता है। वर्ष 2019-20 में बिहार में औसतन 1094.4 मिमी. वार्षिक वर्षापात हुआ, जिसमें 88.5 प्रतिशत वर्षा जून से सितंबर तक के चार महीनो के अंदर दक्षिण-पश्चिमी मानसून के कारण हुआ है। जबकि शीतकालीन वर्षा, ग्रीष्मकालीन वर्षा और उत्तर पश्चिमी मानसून के कारण मात्र 11.5 प्रतिशत वर्षा हुई।

बिहार में जहाँ एक ओर भीषण बाढ़ के कारण होने वाले कटाव वनों के विकास को प्रभावित करते हैं, वहीं दूसरी ओर शिवालिक श्रेणी एवं कैमूर के पहाड़ी क्षेत्रों की ऊँचाई भी वनस्पतियों की सघनता एवं विकास को प्रभावित करती है।

बिहार में वन क्षेत्र का वितरण *(Distribution of Forest Area in Bihar)*

- बिहार का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किमी. है। वर्ष 2019 में बिहार राज्य का वनाच्छादन 7306 वर्ग किमी. है जो कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 7.76 प्रतिशत है। यह हिस्सा संपूर्ण भारत के औसत (21.67 प्रतिशत) से बहुत कम है। देश के राज्यों के बीच सर्वाधिक 85.41 प्रतिशत वन क्षेत्र मिज़ोरम में तथा सबसे कम 3.62 प्रतिशत हरियाणा में है।
- बिहार उपोष्ण जलवायु क्षेत्र में अवस्थित है। यहाँ प्राकृतिक वन पश्चिम चंपारण, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, मुंगेर, बांका और जमुई ज़िलों में फैले हुए हैं। पश्चिम चंपारण को छोड़कर उत्तर बिहार प्राकृतिक वनों से रहित है। शिवालिक के तराई क्षेत्र में पश्चिम चंपारण ज़िले में प्राकृतिक साल के वन मिलते हैं। इसके अलावा दक्षिण बिहार में कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, जमुई, मुंगेर और बाँका ज़िले में भी साल के वन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- बिहार की प्राकृतिक वनस्पति में पर्णपाती किस्म के वनों की बहुलता है। वर्षा वितरण की असमानता के कारण यहाँ आर्द्र एवं शुष्क दोनों प्रकार के वन पाए जाते हैं। बिहार में वनों का वर्गीकरण हम निम्नलिखित तरीके से कर सकते हैं-

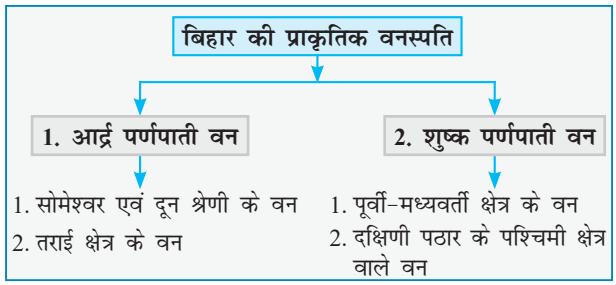

1. आर्द्र पर्णपाती वन (Moist Deciduous Forests)

सामान्यत: इस प्रकार के वन वैसे क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वार्षिक वर्षा की मात्रा 120 सेमी. से अधिक हो। आर्द्र पर्णपाती वनों के अंतर्गत सोमेश्वर एवं दून श्रेणी के वन तथा तराई क्षेत्र के वन आते हैं। सोमेश्वर एवं दून श्रेणी के वनों का विस्तार मुख्यत: पश्चिमी चंपारण में है। इस क्षेत्र में 160 सेमी. से भी अधिक वर्षा होती है। यहाँ की उच्च भूमियों एवं पहाड़ी ढालों पर पाए जाने वाले वनों में साल, सेमल, खैर, शीशम इत्यादि वृक्षों की प्रधानता है। सोमेश्वर एवं दून श्रेणियों में ऊँचाई के कारण सवाना प्रकार की वनस्पतियाँ भी देखने को मिलती हैं।

तराई क्षेत्र के वन भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में पाए जाते हैं। तराई क्षेत्र का उत्तरी-पश्चिमी तथा उत्तरी पूर्वी भाग इस प्रकार के वनों से आच्छादित है। निम्न दलदली भूमि में पाई जाने वाली वनस्पतियाँ यहाँ अधिकांश रूप से पाई जाती हैं जैसे- घास, हाथी घास, नरकट, झाड़, सवई, बाँस इत्यादि। इस प्रकार के वन पूर्णिया, किशनगंज, अररिया एवं सहरसा ज़िलों में संकीर्ण पट्टी के रूप में पाए जाते हैं, जबकि सहरसा तथा पूर्णिया के उत्तर सीमांत क्षेत्रों में साल वृक्षों के वनों की पट्टियाँ मिलती हैं। शिवालिक के तराई क्षेत्र में पश्चिमी चंपारण ज़िले में प्राकृतिक साल के वनों की प्रधानता है।

2. शुष्क पर्णपाती वन (Dry Deciduous Forests)

बिहार में शुष्क पर्णपाती वनों का विस्तार राज्य के पूर्वी मध्यवर्ती भाग एवं दक्षिणी पठार के पश्चिमी भाग में है। ये वैसे क्षेत्र हैं जहाँ 120 सेमी. से कम वार्षिक वर्षा होती है। शुष्क पर्णपाती वनों में अमलतास, आबनूस, आँवला, शीशम, महुआ, खैर, पलाश, आसन इत्यादि के वृक्ष बहुतायत से पाए जाते हैं। शुष्क पर्णपाती वन बिहार के जमुई, शेखपुरा, बाँका, नवादा, कैमूर, रोहतास, गया तथा औरंगाबाद ज़िले के पठारी क्षेत्रों में विस्तृत हैं।

सुरक्षा की दृष्टि से बिहार के वनों को तीन श्रेणियों में विभक्त किया गया है- **आरक्षित वन क्षेत्र, संरक्षित वन क्षेत्र** एवं **अवर्गीकृत वन क्षेत्र।**

10 खनिज संसाधन (Mineral Resources)

भूमिका (Introduction)

सामान्यत: खनिज से तात्पर्य ऐसे भौतिक पदार्थ से होता है जिसे 'खान' से खोदकर निकाला जाता है। खनिज शब्द खनि + ज से मिलकर बनता है। 'खनि' का अर्थ होता है- 'खोदना' या 'खुदा हुआ' या 'खान' एवं 'ज' का अर्थ होता है- से उत्पन्न होने वाला या जन्म लेने वाला। इस तरह संयुक्त रूप से खनिज शब्द का अर्थ 'खान से उत्पन्न' होता है। अंग्रेज़ी में खनिज को मिनरल्स (Minerals) कहा जाता है। खनिज को दूसरी तरह से भी परिभाषित किया जा सकता है। यह माना जाता है कि खनिज का गुण रखने वाले पदार्थ कठोर व क्रिस्टलीय होते हैं और इस तरह हम यह कह सकते हैं कि 'खनिज वह पदार्थ है जो क्रिस्टलीय हो और दीर्घकालिक भौगोलिक परिस्थितियों के परिणामस्वरूप निर्मित हुआ हो।'

किसी भी राज्य या प्रदेश के विकास क्रम में खनिज संसाधनों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। एक समय था जब बिहार खनिज संसाधन के उत्पादन और भंडारण के लिहाज़ से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल था लेकिन वर्ष 2000 में विभाजन के बाद खनिज के अधिकांश हिस्से झारखंड में चले जाने के परिणाम स्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था में मुख्य खजिनों का योगदान काफी घट गया है लेकिन गौण खनिजों जैसे बालू खनन तथा ईंट निर्माण में राज्य सरकार के राजस्व संग्रहण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बालू खनन तथा ईंट भट्ठे राज्य में मुख्य रोज़गार प्रदत्त है बिहार में कई प्रकार के धात्विक एवं अधात्विक खनिज भी पाए जाते हैं। बिहार का दक्षिण-पश्चिम भाग खनिज भंडार के मामले में शेष भागों से आगे है। भौगोलिक परिस्थिति के कारण बिहार के दक्षिण-पश्चिमी ज़िलों में अनेक प्रकार की खनिज संपदाओं का भंडार पाया जाता है।

बिहार में विभाजन से पूर्व कोयला, बॉक्साइट, अभ्रक, तांबा, लौह अयस्क, ग्रेफाइट इत्यादि का प्रचुर भंडार था लेकिन ये क्षेत्र झारखंड में चले जाने के कारण बिहार में इन खनिजों का सीमित स्रोत रह गया है। वर्तमान बिहार में चीनी मिट्टी, पायराइट, चूना पत्थर, क्वार्ट्ज़, फेल्सपार, स्लेट, सोना, शोरा तथा सजावटी ग्रेनाइट इत्यादि खनिज पदार्थ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। भारत में बिहार ही एक ऐसा राज्य है जहाँ पायराइट का उचित भंडार मिलता है। धात्विक खनिज के रूप में बिहार में बॉक्साइट और सोने का अच्छा भंडार है। खड़गपुर की पहाड़ियाँ बॉक्साइट के स्रोत हैं एवं जमुई ज़िले का सोनो क्षेत्र का करमटिया स्थान सोने का बड़ा भंडार रखता है। अधात्विक खनिज के रूप में बिहार के रोहतास ज़िले में चूना पत्थर और पायराइट; जमुई ज़िले में अभ्रक; भागलपुर, बाँका में चीनी मिट्टी; जमुई, गया और नवादा में क्वार्ट्ज़; बेगूसराय, समस्तीपुर, मुज़फ्फरपुर, पूर्वी चंपारण एवं सारण में शोरा तथा मुंगेर में स्लेट खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

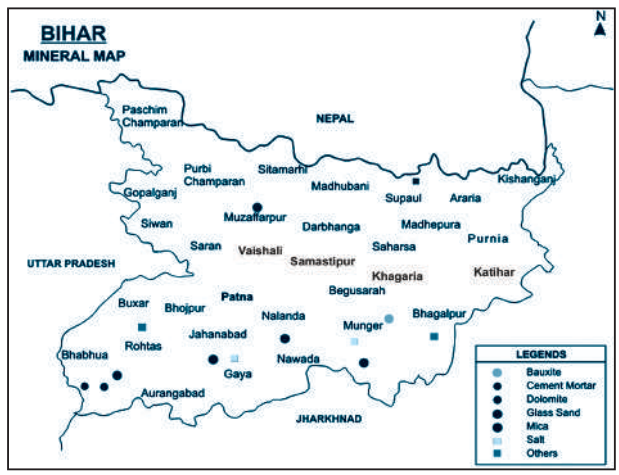

बिहार के प्रमुख खनिज *(Major Minerals of Bihar)*

बिहार में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के खनिजों का विवरण निम्नलिखित है-

चूना पत्थर	❑ चूना पत्थर बिहार के पश्चिमी भाग में विंध्यन शैल समूहों में भारी जमाव के रूप में पाया जाता है। ❑ बिहार में चूना पत्थर का प्रयोग सीमेंट के निर्माण में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। ❑ बिहार में गुणवत्तायुक्त उत्तम श्रेणी का चूना पत्थर रोहतास की पहाड़ियों, कैमूर पठार तथा मुंगेर में मिलता है। ❑ रोहतास में यह मुख्यत: सोन घाटी के पश्चिम में पाया जाता है तथा इस ज़िले में चूना पत्थर की असीमित उपलब्धता के कारण यहाँ सीमेंट के दो बड़े कारखाने भी हैं। ❑ रोहतास ज़िला में चूना पत्थर का कुल अनुमानित भंडार लगभग 21.085 मिलियन टन है।
पायराइट	❑ भारत में बिहार ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ पायराइट का उचित भंडार है। ❑ भारतीय खनिज ब्यूरो (Indian Mineral Bureau) की रिपोर्ट के अनुसार, देश का 95 प्रतिशत पायराइट का संचित भंडार बिहार में है और बिहार देश में अकेला 95 प्रतिशत पायराइट का उत्पादन भी करता है। ❑ पायराइट गंधक का स्रोत होता है एवं इसका उपयोग पेट्रोलियम शोधन, सुपर फॉस्फेट, सल्फर एसिड, रेयोन, ठोस रबड़, चीनी बनाने तथा उर्वरक उद्योग में किया जाता है।

11 औद्योगीकरण एवं नियोजन (Industrialization and Planning)

भूमिका (Introduction)

किसी भी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत जब कच्चे पदार्थों को उचित एवं सुलभ तकनीक के माध्यम से उसके स्वरूप में परिवर्तन लाकर अधिक उपयोगी बना देना तथा निर्मित पदार्थों का उचित तरीकों से रख-रखाव करना इत्यादि उद्योग के अंतर्गत आता है। इनका विस्तृत रूप औद्योगीकरण कहलाता है। प्रचुर भौतिक और मानव संसाधनों वाले बिहार राज्य में औद्योगीकरण की अत्यधिक संभावना है। कृषि क्षेत्र में तुलनात्मक रूप से लाभप्रद स्थिति को देखते हुए कृषि प्रसंस्करण उद्योगों का विकास हुआ है।

- किसी अर्थव्यवस्था में औद्योगीकरण एवं नियोजन हेतु निम्नलिखित की आवश्यकता होती है-
  - सुगमतापर्वूक कच्चे माल की प्राप्ति
  - अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकता
  - उचित आवागमन मार्ग एवं परिवहन का साधन
  - उचित मात्रा में पूंजी की आवश्यकता
  - निर्मित वस्तुओं की बिक्री हेतु विस्तृत बाज़ार की सुविधा
- अर्थव्यवस्था के अंतर्गत निर्माण-विनिर्माण समेत उद्योग को द्वितीयक क्षेत्र कहा जाता है।
- बिहार में सकल घरेलू उत्पादन में उद्योग (द्वितीयक) क्षेत्र का हिस्सा लगभग 20.3 प्रतिशत है। जबकि भारत में औसतन इसका हिस्सा लगभग 31 प्रतिशत है। इस तरह अगर सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाए तो बिहार में आधारभूत आवश्यकताओं की कमी के चलते उद्योग क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है।

कृषि आधारित उद्योग *(Agriculture Based Industries)*

बिहार में मैदानी इलाकों का क्षेत्रफल अधिक होने के फलस्वरूप कृषि पर आधारित उद्योगों की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन आधारभूत औद्योगिक संरचना के अभाव में कृषि पर आधारित उद्योग का भी बृहत् मात्रा में विकास नहीं हो पाया है।

वर्तमान में बिहार में निम्नलिखित उद्योग जो कृषि पर आधारित हैं-

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
- चावल मिल उद्योग
- चीनी मिल उद्योग
- जूट एवं उस पर आधारित वस्त्र उद्योग
- दाल मिल उद्योग इत्यादि

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (Food Processing Industry)

यह उद्योग मुख्यत: कृषि एवं पशुपालन पर आधारित है जिसके अंतर्गत गेहूँ, मक्का, चावल, दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल, फल एवं मखाना इत्यादि आते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण (2016–17) के अनुसार बिहार में अगस्त 2016 तक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की लगभग 407 इकाइयाँ स्थापित हुईं, जिनमें से 278 इकाइयाँ ही सुचारु रूप से कार्यरत हैं। इन सभी इकाइयों में 48404 लोगों को रोज़गार की प्राप्ति हो रही है।

- प्रोटीन एवं कार्बोहाइड्रेट की प्रचुर मात्रा मखाना में पाई जाती है, जिसकी खेती मुख्यत: सीतामढ़ी, मधुबनी एवं दरभंगा में की जाती है। मखाना शोध संस्थान दरभंगा में स्थापित है। इसके अलावा मुज़फ्फरपुर एवं वैशाली में लीची आधारित, जबकि रोहतास एवं कैमूर में अमरूद आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित है।
- बिहार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को विस्तृत रूप प्रदान करने हेतु निम्नलिखित योजनाएँ क्रियान्वित हैं-
  - **शीतगृह योजना:** ₹5 करोड़ तक सब्सिडी
  - **फूड पार्क योजना:** कुल लागत का 30 प्रतिशत सब्सिडी जिसकी अधिकतम मात्रा ₹50 करोड़। हाल ही में बक्सर में एक फूड पार्क की स्थापना की जा रही है।
  - **समेकित विकास परियोजना:** कुल लागत का 40 प्रतिशत तक सब्सिडी।
  - चावल मिलों के आधुनिकीकरण की योजना।

चीनी उद्योग (Sugar Industry)

इस उद्योग के सुचारू रूप से संचालन हेतु निम्नलिखित दशाओं का होना अनिवार्य होता है-

- जलोढ़ मिट्टी
- 200 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा
- आवागमन की उत्तम सुविधा
- उष्ण-आर्द्र जलवायु
- सिंचाई सुविधा हेतु नहर एवं नलकूप का उत्तम प्रबंध
- सघन श्रम एवं विस्तृत बाज़ार आदि।

चीनी उद्योग का भौगोलिक वितरण

दक्षिण-पश्चिम बिहार	उत्तर-पश्चिम बिहार
इसके अंतर्गत चीनी मिल की आठ इकाइयाँ स्थापित हैं जो पटना, गया, नवादा, भोजपुर एवं रोहतास ज़िला में संचालित हैं।	इसके अंतर्गत चीनी मिल की 20 इकाइयाँ स्थापित हैं जो खासकर पश्चिमी एवं पूर्वी चंपारण, सारण, सीवान, दरभंगा, वैशाली, गोपालगंज एवं समस्तीपुर में संचालित हैं।

12 ऊर्जा संसाधन (Energy Resources)

भूमिका (Introduction)

ऊर्जा किसी भी राज्य की आर्थिक संवृद्धि व विकास के लिये अत्यंत आवश्यक है। बगैर इसके किसी भी प्रकार की आर्थिक गतिविधि (विशेषकर उत्पादन संबंधी) संपन्न नहीं हो सकती है। इस संदर्भ में बिहार अत्यंत पिछड़ा हुआ है, विशेषकर वर्ष 2000 में बँटवारे के बाद ऊर्जा संपन्न क्षेत्रों के झारखंड में चले जाने के कारण। हालाँकि, हाल के वर्षों में बिहार के ऊर्जा परिदृश्य में सुधार हुआ है, लेकिन फिर भी अन्य राज्यों की तुलना में यह अत्यंत कम है। आज भी बिहार को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु करीब 70% बिजली, केंद्र सरकार की विद्युत उत्पादन इकाइयों से क्रय करनी पड़ती है।

वर्तमान ऊर्जा परिदृश्य एवं संभावनाएँ *(Current Energy Scenario And Possibilities)*

- आर्थिक समीक्षा 2020-21 के अनुसार वर्ष 2019-20 में बिहार में प्रतिव्यक्ति विद्युत खपत 332 kWh हो गई है।
- इसके साथ ही चरम मांग वर्ष 2019-20 में 5900 मेगावाट वही चरम आपूर्ति वर्ष 2019-20 में 5891 मेगावाट हो गई है।
- बिजली की औसत उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों में 20-22 घंटे, वही शहरी क्षेत्र में 23-24 हो गई है।
- वर्ष 2019-20 में बिजली की कुल खपत 2898.8 करोड़ यूनिट हो गई है।

विद्युत परिदृश्य (2017-18 से 2019-20)

वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20
अनुमानित चरम मांग (मेगावाट)	4965	5300	5900
मांग की चरम पूर्ति (मेगावाट)	4535	5139	5891
चरम कमी/अधिशेष (मेगावाट)	–430	–161	–9
चरम कमी/अधिशेष (%)	–9.4	–3	–0.1
ऊर्जा की जरूरत (करोड़ यूनिट)	3009.5	3225.7	3230.0
ऊर्जा की उपलब्धता (करोड़ यूनिट)	2678.8	2947.2	3154.0
ऊर्जा की कमी/अधिशेष (करोड़ यूनिट	–330.7	–278.5	–76.0
ऊर्जा की कमी/अधिशेष (%)	–12.3	–8.6	–2.4
प्रति व्यक्ति खपत (किलोवाट आवर)	280	311	332

स्रोत: ऊर्जा विभाग, बिहार सरकार

- अगर ज़िलेवार विद्युत उपभोग की बात करें तो सबसे अधिक विद्युत खपत के मामले में पटना (549.5 करोड़ यूनिट) के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद क्रमशः गया (170.07 करोड़ यूनिट) व मुज़फ्फरपुर (137.0 करोड़ यूनिट) का स्थान है। वहीं न्यूनतम उपभोग के संदर्भ में शिवहर (10.4 करोड़ यूनिट), अरवल (17.8 करोड़ यूनिट) तथा शेखपुरा (26.8 करोड़ यूनिट) क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं।

प्रभावी उपभोक्ताओं की श्रेणीवार संख्या (2018-19 से 2019-20)

श्रेणियाँ	प्रभावी उपभोक्ताओं की संख्या		
	2018-19	2018-19	2019-20 (अंतिम)
घरेलू (लाख)	101.4 (92.0)	134.8 (92.5)	146.0 (91.6)
व्यावसायिक	620291 (5.63)	762438 (5.23)	900093 (5.65)
औद्योगिक (निम्न विभव	75023 (0.68)	90671 (0.62)	91158 (0.57)
औद्योगिक (उच्च विभाव	2372 (0.02)	2806 (0.02)	2904 (0.02)
सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था	1553 (0.01)	2483 (0.02)	2513 (0.02)
ट्रैक्शन	23 (नगण्य)	23 (नगण्य)	5 (नगण्य)
कृषि	176418 (1.6)	228423 (1.57)	316677 (1.99)
सार्वजनिक जल प्रदाय	2779 (0.2)	3700 (0.2)	4217 (0.2)
हर घर नल	—	—	—
योगफल (लाख)	110.2 (100.0)	145.7 (100.0)	159.3 (100.0)

स्रोत: ऊर्जा विभाग, बिहार सरकार

बिहार में विद्युत क्षेत्र की संस्थागत संरचना *(Institutional Structure of Power Sector in Bihar)*

अप्रैल 1958 में बिहार राज्य विद्युत बोर्ड का गठन मूलतः विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 के धारा-5 के तहत किया गया था और उसे बिहार में विद्युत उत्पादन, संचरण, वितरण एवं बिजली संबंधी अन्य गतिविधियों के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी दी गई थी।

नवंबर 2012 में बोर्ड को पाँच कंपनियों में बाँट दिया गया।

13 परिवहन एवं संचार (Transport and Communication)

भूमिका (Introduction)

किसी भी राज्य के विकास व संवृद्धि के लिये वहाँ एक उपयुक्त परिवहन एवं संचार प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक होता है। हालाँकि इस प्रणाली की सघनता क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक व जलवायविक कारकों से प्रभावित होती है, विशेषकर सड़क। विगत दशक में बिहार की सड़कों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। बिहार में परिवहन के साधनों में रेल, वायु तथा जल परिवहन प्रमुख हैं। परिवहन क्षेत्र बिहार के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कुल मिलाकर 7.5 प्रतिशत का योगदान करता है। यह क्षेत्र गत दशक (2010-20) के दौरान 10.9 प्रतिशत की वार्षिक दर से विकास करता रहा है।

सड़क परिवहन *(Road Transport)*

- बिहार में सुशासन के कार्यक्रम (2020-25) के **सात निश्चिय-2** के तहत राज्य सरकार ने **सुलभ संपर्कता योजना** आरंभ की है।
- इस योजना के मुख्यत: दो घटक हैं-

(i) ग्रामीण पथ संपर्क जो प्रखंड, पुलिस थाना, अनुमंडल आदि महत्वपूर्ण स्थानों के साथ संपर्क उपलब्ध करायेंगे और बाज़ार, अस्पाताल, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग आदि के साथ भी जोडेंगे।

(ii) शहरी क्षेत्रों में बाइपास और फ्लाइओवर जो घने बसे शहरी क्षेत्रों में पथ परिवहन को सुगम बनाते हैं, सड़क नेटवर्क क्षेत्र में आर्थिक विकास के लिये भारी योगदान करते हैं इसलिये राज्य में लोगों सामग्रियों और सेवाओं के सुगम परिवहन के लिये पर्याप्त सड़क नेटवर्क का निर्माण किया जायेगा।

- बिहार में सड़क परिवहन के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रांतीय राजमार्ग, ज़िला सड़कें तथा ग्रामीण सड़कों को शामिल किया जाता है।
- बिहार राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण (2020–21) के अनुसार, सितंबर 2020 तक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों (National Highways) की कुल लंबाई 5475.05 किमी., प्रांतीय राजमार्गों की कुल लंबाई 3713.53 किमी. तथा प्रमुख ज़िला सड़कों की कुल लंबाई 14886.36 किमी. है।

बिहार में सड़क नेटवर्क की स्थिति (सितंबर 2020 में)

(लंबाई किमी में)

सड़क की श्रेणी	राष्ट्रीय राजमार्ग		राज्य राजमार्ग		मुख्य जिला पथ	
	लंबाई	प्रतिशत हिस्सा	लंबाई	प्रतिशत हिस्सा	लंबाई	प्रतिशत हिस्सा
एक लेन (3.75 मी. चौड़ाई)	525.20	9.6	467.92	12.6	6805.33	45.7
मध्यवर्ती लेन (5.50 मी. चौड़ाई)	578.79	10.6	401.78	10.8	5879.60	39.5
दो लेन (7.0 मी. चौड़ाई)	2108.67	38.5	2513.24	67.7	1928.03	13.0
7.0 मी. से अधिक चौड़ी	1248.03	22.8	285.61	7.7	170.25	1.1
4 लेन/ 6 लेन और 8 लेन	957.46	17.5	45.0	1.2	103.15	0.7
मिसिंग लिंक	56.90	1.0	—	—	—	—
योगफल	5475.05	100.0	3713.53	100	14886.36	100

स्रोत: पथ निर्माण विभाग, बिहार सरकार

बिहार के शीर्ष तीन राज्य राजमार्ग वाले ज़िले (2020)

क्र.सं.	ज़िला	कुल लंबाई (किमी.)
1.	पटना	219
2.	गया	210
3.	दरभंगा	209

बिहार के शीर्ष तीन राष्ट्रीय राजमार्ग वाले ज़िले (2020)

क्र.सं.	ज़िला	कुल लंबाई (किमी.)
1.	पटना	440
2.	मधुबनी	322
2.	मुजफ्फरपुर	259

14 बिहार जनगणना–2011 (Bihar Census-2011)

कुल जनसंख्या (Total Population)

- जनगणना–2011 के अंतिम आँकड़ों के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या 10,40,99,452 है। इसमें पुरुषों की संख्या 5,42,78,157 (52.14%) है, जबकि महिलाओं की संख्या 4,98,21,295 (47.86%) है।
- कुल जनसंख्या के संदर्भ में बिहार देश में तीसरे स्थान पर है। यहाँ देश की कुल जनसंख्या का 8.60 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
- सर्वाधिक जनसंख्या वाला ज़िला पटना (58,38,465) है, जबकि न्यूनतम जनसंख्या वाला ज़िला शेखपुरा (6,36,342) है।

सर्वाधिक जनसंख्या वाले ज़िले			न्यूनतम जनसंख्या वाले ज़िले		
क्र.सं.	ज़िला	जनसंख्या	क्र.सं.	ज़िला	जनसंख्या
1.	पटना	58,38,465	1.	शेखपुरा	6,36,342
2.	पूर्वी चंपारण	50,99,371	2.	शिवहर	6,56,246
3.	मुज़फ्फरपुर	48,01,062	3.	अरवल	7,00843
4.	मधुबनी	44,87,379	4.	लखीसराय	10,00,912
5.	गया	43,91,418	5.	जहानाबाद	11,25,313

ग्रामीण जनसंख्या (Rural Population)

- कुल जनसंख्या: 9,23,41,436 (88.71%)
- पुरुष जनसंख्या: 4,80,73,850
- महिला जनसंख्या: 4,42,67,586
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला ज़िला पूर्वी चंपारण (46,98,028) है, जबकि न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वाला ज़िला शेखपुरा (5,27,340) है।

सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाले ज़िले			न्यूनतम ग्रामीण जनसंख्या वाले ज़िले		
क्र.सं.	ज़िला	जनसंख्या	क्र.सं.	ज़िला	जनसंख्या
1.	पूर्वी चंपारण	46,98,028	1.	शेखपुरा	5,27,340
2.	मुज़फ्फरपुर	43,27,625	2.	शिवहर	6,28,130
3.	मधुबनी	43,25,884	3.	अरवल	6,48,994
4.	समस्तीपुर	41,13,769	4.	लखीसराय	8,57,901
5.	गया	38,09,817	5.	मुंगेर	9,87,645

सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशतता वाले ज़िले		
क्र.सं.	ज़िला	प्रतिशत
1.	समस्तीपुर	96.53%
2.	बाँका	96.50%
3.	मधुबनी	96.40%
4.	कैमूर	95.97%

नोट: सबसे कम ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशतता वाला ज़िला पटना (56.93%) है।

शहरी जनसंख्या (Urban Population)

- कुल जनसंख्या: 1,17,58,016 (11.29%)
- पुरुष जनसंख्या: 62,04,307
- महिला जनसंख्या: 55,53,709
- सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाला ज़िला पटना (25,14,590) है, जबकि न्यूनतम शहरी जनसंख्या वाला ज़िला शिवहर (28,116) है।

सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाले ज़िले			न्यूनतम शहरी जनसंख्या वाले ज़िले		
क्र.सं.	ज़िला	जनसंख्या	क्र.सं.	ज़िला	जनसंख्या
1.	पटना	25,14,590	1.	शिवहर	28,116
2.	भागलपुर	6,02,532	2.	अरवल	51,849
3.	गया	5,81,601	3.	कैमूर	65,571
4.	बेगूसराय	5,69,823	4.	खगड़िया	87,159

सर्वाधिक शहरी जनसंख्या प्रतिशतता वाले ज़िले			न्यूनतम शहरी जनसंख्या प्रतिशतता वाले ज़िले		
क्र.सं.	ज़िला	प्रतिशत	क्र.सं.	ज़िला	प्रतिशत
1.	पटना	43.07%	1.	समस्तीपुर	3.47%
2.	मुंगेर	27.79%	2.	बाँका	3.50%
3.	भागलपुर	19.83%	3.	मधुबनी	3.60%
4.	बेगूसराय	19.18%	4.	कैमूर	4.03%

दशकीय वृद्धि (Decadal Growth)

- वर्ष 2001 से 2011 के मध्य बिहार की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 25.42% रही है। यह राष्ट्रीय औसत (17.7%) से करीब 7.7% अधिक है।

15 राजव्यवस्था एवं प्रशासन (Polity and Administration)

भूमिका (Introduction)

एक प्रांत के रूप में बंगाल से अलग होकर बिहार राज्य का गठन 22 मार्च, 1912 ई. को हुआ, जिसमें उड़ीसा भी सम्मिलित था। आगे चलकर 1 अप्रैल, 1936 ई. को उड़ीसा एवं 15 नवंबर, 2000 ई. को झारखंड बिहार से अलग होकर नए राज्य बने। झारखंड संयुक्त बिहार का लगभग 45.85 भाग लेकर अलग हुआ। इस विभाजन के परिणामस्वरूप अब बिहार का स्थान भारत में जनसंख्या की दृष्टि से तीसरा जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से 13वाँ है।

राज्यव्यवस्था के सुदृढ़ रूप से संचालन हेतु राज्य प्रशासन को मुख्यतः तीन वर्गों में बाँटा गया है-

1. राज्य विधायिका
2. राज्य कार्यपालिका
3. राज्य न्यायपालिका

राज्य विधायिका

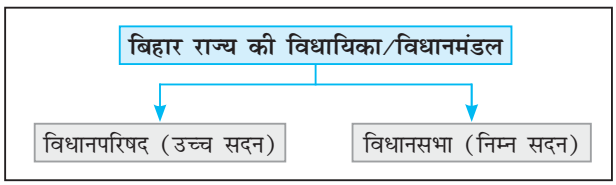

बिहार विधानपरिषद *(Bihar Legislative Council)*

बिहार-उड़ीसा विधानपरिषद का जन्म भारत शासन अधिनियम, 1919 के तहत 7 फरवरी, 1921 को हुआ। इसका उद्घाटन संयुक्त प्रांत के प्रथम राज्यपाल श्री सत्येंद्र प्रसन्न सिन्हा ने किया। परंतु इसके पूर्व इंडियन काउंसिल एक्ट, 1861 तथा 1909 और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1912 के तहत विधानपरिषद की स्थापना हो चुकी थी। 7 फरवरी, 1921 को जब बिहार-उड़ीसा विधानपरिषद अस्तित्व में आई तो सर वॉल्टर मोर (Walter More) प्रथम सभापति मनोनीत हुए। 28 मार्च, 1936 को बिहार के लिये अलग विधानपरिषद गठित किये जाने का आदेश हुआ। वर्ष 1938 में विधानपरिषद अपने वर्तमान भवन में काम करने लगी।

वर्तमान में पृथक् बिहार विधानपरिषद है, जिसमें कुल सदस्यों की संख्या 75 है। इन सदस्यों की नियुक्ति हेतु निम्न प्रावधान हैं-

- कुल सदस्यों का 1/3 विधानसभा के सदस्यों द्वारा चुना जाता है।
- सदस्यों का 1/3 पंजीकृत संस्थाओं द्वारा चुना जाता है।
- सदस्यों का 1/12 पंजीकृत स्नातकों द्वारा चुना जाता है, जो कम-से-कम तीन वर्ष पूर्व स्नातक की उपाधि पूर्ण कर चुका हो।
- सदस्यों का 1/12 शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा चुना जाता है, जो कम-से-कम तीन वर्ष पढ़ाने का अनुभव रखता हो।
- सदस्यों का 1/6 भाग राज्यपाल द्वारा मनोनीत किया जाता है, जो आवश्यक रूप से निम्न क्षेत्रों में ख्याति प्राप्तकर्त्ता हो, जैसे- कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा एवं सहकारिता।
- बिहार विधानपरिषद में सदस्य बनने के लिये निम्न योग्यताओं का पालन करना आवश्यक है। जैसे- बिहार का स्थायी निवासी हो, 30 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो, राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो, पागल या दिवालिया घोषित न हो।

स्मरणीय तथ्य

- बिहार विधानपरिषद एक स्थायी सदन है, जिसमें सदस्यों का चुनाव छः वर्ष के लिये किया जाता है।
- 1/3 सदस्यों को प्रत्येक दो वर्ष बाद प्रतिस्थापित करके उसके स्थान पर नए सदस्यों का चुनाव किया जाता है।
- विधानपरिषद की अध्यक्षता उपस्थित सदस्यों द्वारा निर्वाचित सभापति द्वारा की जाती है।
- वर्तमान में बिहार विधानपरिषद के कार्यकारी सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह हैं जो कि बिहार विधानपरिषद के उप-सभापति पद पर भी आसीन हैं।

बिहार विधानसभा *(Bihar Legislative Assembly)*

बिहार राज्य विधानमंडल में विधानसभा को निम्न सदन कहा जाता है। इसमें सदस्यों की कुल संख्या 243 है। एक सदस्य, जो एंग्लो-इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है, का मनोनयन राज्यपाल द्वारा किया जाता है। हालाँकि, नवंबर 2000 में बिहार राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के तहत एंग्लो-इंडियन की सीट झारखंड के पास चली गई। निम्न सदन द्वारा ही राज्य के लिये आवश्यक कानून बनाने, बजट पारित करने, कार्यपालिका पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित करने का कार्य किया जाता है। निम्न सदन की कार्यवाही सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के माध्यम से की जाती है। वर्तमान में बिहार विधानसभा के स्पीकर श्री विजय कुमार सिन्हा हैं।

बिहार विधानसभा के अध्यक्षों की सूची

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
1.	श्री रामदयालु सिंह	23/07/1937-11/11/1944
2.	श्री बिंदेश्वरी प्रसाद वर्मा	25/04/1946-14/03/1962
3.	डॉ. लक्ष्मी नारायण सुधांशु	15/03/1962-15/03/1967

16 पंचायती राज व्यवस्था (Panchayati Raj System)

भूमिका (Introduction)

बिहार पंचायती राज्य संस्थाओं के क्रियान्वयन के मालमे में विकास प्रक्रिया, सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित ग्रामीण आबादी के प्रतिनिधित्व के लिहाज से देश के अग्रीण राज्यों में है। बिहार में पंचायती राजव्यवस्था सर्वप्रथम "बिहार पंचायत समिति एवं ज़िला परिषद अधिनियम, 1961" के तहत अस्तित्व में आई। जिसको 17 फरवरी, 1962 को कानून का दर्जा दिया गया।

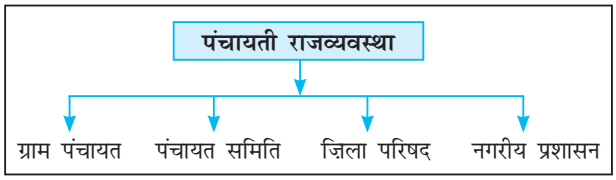

भारतीय संविधान में 73वें संविधान संशोधन, 1992 के तहत पंचायती राजव्यवस्था को संविधान की 11वीं अनुसूची में जोड़ा गया। इसी संदर्भ में बिहार पंचायती राज अधिनियम, 1993 में पारित किया गया तथा पंचायती राजव्यवस्था के अंतर्गत त्रि-स्तरीय (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं ज़िला परिषद) प्रशासनिक व्यवस्था कायम की गई। बिहार में वर्तमान समय में ज़िला स्तर पर 38 ज़िला परिषद्, प्रखंड स्तर पर 534 पंचायत समितियाँ और ग्राम के स्तर पर 8,387 ग्राम पंचायते कार्यरत हैं।

बिहार में पंचायती राज संस्थाओं का विवरण

विवरण	संख्या	विवरण	संख्या
ज़िला परिषद	38	ग्राम पंचायत सचिव	3701
पंचायत समिति	534	न्याय मित्र	6947
ग्राम पंचायत	8387	ग्राम कचहरी सचिव	7474
ग्राम पंचायत सदस्य	114691	ज़िला पंचायती राज अधिकारी	38
पंचायत समिति सदस्य	11497	प्रखंड पंचायती राज अधिकारी	528
ज़िला परिषद सदस्य	1161	ग्राम कचहरी सदस्य	114691

स्रोत: पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार।

ग्राम पंचायत *(Gram Panchayat)*

पंचायती राजव्यवस्था के अंतर्गत सबसे निचले स्तर पर प्रशासनिक कार्यवाही के संचालन हेतु ग्राम पंचायत का गठन किया गया है। बिहार में सामान्यत: लगभग 7000 आबादी पर एक ग्राम पंचायत की व्यवस्था की गई है। पंचायत स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु बिहार पंचायती राज अधिनियम, 2006 में संपूर्ण सीटों में से 50 प्रतिशत सीटों को आरक्षित किया गया है। ग्राम पंचायत में कार्यकारिणी के प्रधान को मुखिया कहा जाता है। साथ ही कार्यकारिणी में आठ अन्य सदस्य होते हैं।

- बिहार में ग्राम पंचायत के मुख्यत: छ: विभाग होते हैं जैसे- ग्राम सभा, कार्यकारिणी समिति, ग्राम रक्षा दल, ग्राम सेवक, मुखिया, ग्राम कचहरी। प्रत्येक पंचायत की अवधि सामान्यत: 5 वर्ष की होती है। जिसकी गणना उसके प्रथम अधिवेशन से की जाती है। पंचायत सदस्य बनने हेतु सामान्यत: न्यूनतम उम्र 21 वर्ष होनी चाहिये।
- ग्राम सभा को ग्राम पंचायत की विधायिका कहा जाता है। जिसकी सदस्यता हेतु प्रत्येक ग्रामीण की आयु कम-से-कम 18 वर्ष होनी चाहिये। ग्राम सभा की बैठक वर्ष में दो बार होनी अनिवार्य है। जबकि साल में 4 बार बैठकें बुलाने का प्रावधान है।
- ग्राम पंचायत में न्यायिक कार्यों से संबंधित कार्यवाही के लिये ग्राम-कचहरी होती है, जिसका प्रधान प्रत्यक्षत: निर्वाचित सरपंच होता है। सरपंच की सलाह-मशविरा के लिये एक न्याय मित्र होता है। ग्राम कचहरी के पास न्यूनतम रूप में फौजदारी एवं दीवानी मामलों से संबंधित निर्णय करने का अधिकार होता है। वर्तमान में बिहार में 8387 ग्राम पंचायत हैं। मुखिया एवं कार्यकारिणी समिति का कोई भी सदस्य ग्राम कचहरी का सदस्य नहीं बन सकता है।
- सामान्यत: पंचायतों को वित्तीय सहायता राज्य की संचित निधि से प्राप्त होती है। जिसके लिये माध्यम के रूप में पंचायत वित्त आयोग होता है।

पंचायत समिति *(Panchayat Samiti)*

बिहार में प्रखंड स्तर पर प्रशासन को संचालित करने के लिये पंचायत समिति का गठन किया गया है। पंचायत समिति के सदस्यों में निम्नलिखित व्यक्ति आते हैं, जैसे-

- प्रत्येक 5000 की आबादी पर एक सदस्य
- उस प्रखंड के ग्राम पंचायतों के मुखिया
- घोषित प्रत्येक प्रखंड में विधानसभा क्षेत्र के विधायक
- घोषित लोकसभा क्षेत्र के सांसद
- पंचायत समिति की कार्यावधि पाँच वर्ष की होती है।
- पंचायत समिति के निर्वाचित सदस्य अपने सदस्यों के बीच से ही प्रमुख और उप-प्रमुख को चुनते हैं।
- पंचायत समिति की बैठक का आयोजन दो माह में कम-से-कम एक बार निश्चित रूप से किया जाना चाहिये।
- वर्तमान में बिहार में कुल पंचायत समितियों की संख्या 534 है।

17 शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेलकूद (Education, Health and Sports)

भूमिका (Introduction)

सरकार द्वारा समय-समय पर राज्य के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा साक्षरता दर में वृद्धि हेतु प्रयास किये जाते हैं साथ-ही-साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिये गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवा भी राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा खेलकूद को बढ़ावा देने के लिये आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ तरह-तरह के पुरस्कार भी सरकार द्वारा घोषित किये गए हैं।

बिहार में शिक्षा व्यवस्था *(Education System in Bihar)*

केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक राज्य में साक्षरता दर में बढ़ोतरी हेतु समय-समय पर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाता है। जैसे- वयस्क शिक्षा कार्यक्रम, 1979 तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन कार्यक्रम 5 मई, 1988 को क्रियान्वित किया गया। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2019-20) के अनुसार वर्तमान समय में राज्य में प्राथमिक शिक्षा के तहत विद्यालय छोड़ने वालों के दर में 15.5 प्रतिशत अंकों की और उच्च प्राथमिक स्तर पर 6.9 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है।

भारत और बिहार में साक्षरता दरों के रुझान (2001 से 2011)

वर्ष	भारत			बिहार			लैंगिक अंतराल	
	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	भारत	बिहार
2001	75.3	53.7	64.8	60.3	33.6	47.0	21.6	26.7
2011	82.1	65.5	74.04	71.2	51.5	61.8	16.6	20.1

स्रोत: *भारत की जनगणना*

- बिहार में नालंदा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में अग्रणी रहा है, जिसकी स्थापना प्राचीन काल में ही हुई।
- बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की स्थापना 1991 में की गई, जिसमें राज्य सरकार, केंद्र सरकार एवं यूनिसेफ का योगदान क्रमशः 1 : 2 : 3 के अनुपात में रहा। इसका उद्देश्य राज्य में औपचारिक शिक्षा को उच्च स्तर तक ले जाना तथा उसका संरक्षण एवं संवर्द्धन करना है। वर्तमान में शिक्षा पर खर्च हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार की हिस्सेदारी क्रमशः 60 : 40 है।

शिक्षा पर व्यय (2018-19 से 2019-20)

वर्ष		2018-19	2019-20	वार्षिक चक्रवृद्धि दर
शिक्षा पर व्यय (₹ करोड़)	प्राथमिक	19152 (81.1)	18747 (66.4)	10.1
	माध्यमिक	2216 (9.4)	4233 (15.0)	-0.4
	उच्च	2250 (9.5)	4711 (16.7)	11.8
योगफल (₹ करोड़) शिक्षा पर व्यय प्रतिशत के बतौर	कुल बजट का	23618 (100.0) 15.3	28234* (100.0) 13.0	9.2 –
	सामाजिक क्षेत्र का	37.9	30.6	–

टिप्पणी:

(1) कोष्ठकों में दिए गए आँकड़े प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।

(2) * 2019-20 में जन शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण, प्रशासन तथा पुस्तकालय पर हुआ ₹542.94 करोड़ का व्यय भी शामिल है।

स्रोत : *राज्य सरकार के वित्तीय आँकड़े, बिहार सरकार*

- बिहार में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों की कुल संख्या वर्ष 2018-19 में बढ़कर 80,018 हो गई है। विद्यालयों की संख्या के लिहाज से सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले ज़िले पटना (3,824) पूर्वी चंपारण, (3,623) और गया (3,596) है तथा सबसे कम संख्या वाले तीन ज़िले शिवहर (429), शेखपुरा (534) और अरवल (650) है।
- बिहार में 4 केंद्रीय विश्वविद्यालयों समेत, कुल 33 विश्वविद्यालय तथा 879 महाविद्यालय और एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय (राज्यपोषित) नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय है।

उच्च शिक्षा के संस्थान (2014 से 2018)

(संख्या में)

संस्थानों का प्रकार/वर्ष	2014	2015	2016	2017	2018
विश्वविद्यालय					
केंद्रीय विश्वविद्यालय	2	2	4	4	4
राजकीय सार्वजनिक विश्वविद्यालय	14	14	13	13	17
राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान	3	3	3	3	5
राज्यपोषित मुक्त विश्वविद्यालय	1	1	1	1	1
राज्य विधानमंडल अधिनियम के तहत संस्थान	1	1	1	1	1
समकक्ष (डीम्ड) विश्वविद्यालय	1	1	1	1	1

18 पर्यटन (Tourism)

भूमिका (Introduction)

विरासत के रूप में अगर देखा जाए तो बिहार में पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक गौरव के साथ-साथ प्राकृतिक सुंदरता भी विद्यमान है, जैसे- बोधगया, राजगीर के मंदिर तथा इमारतें, इसके अतिरिक्त पटना के ऐतिहासिक स्थल एवं पटना साहिब के पावन तीर्थ-स्थल आदि। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2020–21 के अनुसार वर्ष 2018 में घरेलू पर्यटक आकर्षित करने के मामले में बिहार का देश में **14वाँ** और विदेशी पर्यटकों के आगमन के लिहाज से **9वाँ** स्थान था वहीं वर्ष 2018 और 2019 के बीच घरेलू पर्यटको की वृद्धि **दर 1.1** प्रतिशत थी

राज्य में पर्यटन एवं पर्यटक स्थल का स्वरूप (Nature of Tourism and Tourist Sites in the State)

पर्यटन को मनोरंजन का साधन माना जाता है। पर्यटन शब्द का प्रारंभिक प्रयोग 17वीं शताब्दी के मध्य से माना जाता है। बिहार की धरती पर्यटन की दृष्टि से संभावनाशील है, क्योंकि बिहार में अनेक ऐतिहासिक स्मारक विद्यमान हैं, जिनका पर्यटन की दृष्टि से अतुलनीय महत्त्व रहा है।

सामान्यत: अगर व्यापक दृष्टि से देखा जाए तो बिहार में स्थानीय स्तर के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल विद्यमान हैं, जिनकी चर्चा आगे अध्याय में की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल *(International Tourist Destinations)*

- **बोधगया :** इसे उरुवेला के नाम से भी जाना जाता है। यह फल्गु नदी के तट पर अवस्थित है। यहीं पर भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई। यूनेस्को द्वारा बोधगया अवस्थित महाबोधि मंदिर को जुलाई 2002 में विश्व विरासत स्थल के रूप में घोषित किया गया।
- **वैशाली :** वैशाली जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी की जन्मस्थली है। वैशाली में ही बौद्ध धर्म का द्वितीय सम्मेलन 'कालाशोक' के नेतृत्व (383 ई.पू.) में हुआ था। यहीं पर लिच्छवियों ने विश्व का प्रथम गणतंत्र स्थापित किया।
- **पटना :** पाटलिपुत्र की स्थापना का श्रेय हर्यक वंश के शासक उदयन को जाता है। जबकि आधुनिक पटना का नामकरण 16वीं शताब्दी में शेरशाह सूरी द्वारा किया गया। पाटलिपुत्र में तृतीय बौद्ध संगीति अशोक के नेतृत्व में संपन्न हुई। गुरु गोविंद सिंह का जन्म, जो सिखों के 10वें गुरु थे, पटना में सन् 1666 में हुआ। अनाज के कुशलतम भंडारण हेतु पटना गोलघर का निर्माण कैप्टन जॉन गार्स्टिन द्वारा 1786 ई. में किया गया। सदाकत आश्रम पटना के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। हनुमान मंदिर पटना जंक्शन के बगल में अवस्थित है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में खुदाबख्श लाइब्रेरी की स्थापना 1891 ई. में की गई थी जो पटना में अवस्थित है।
- **नालंदा :** अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा एवं ज्ञान केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमार गुप्त द्वारा की गई, थी। यहीं पर चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 12 वर्षों तक बौद्ध धर्म से संबंधित शिक्षा ग्रहण की। हाल ही में सरकार द्वारा एक शोध-कार्य हेतु नव-नालंदा महाविहार की स्थापना की गई है।

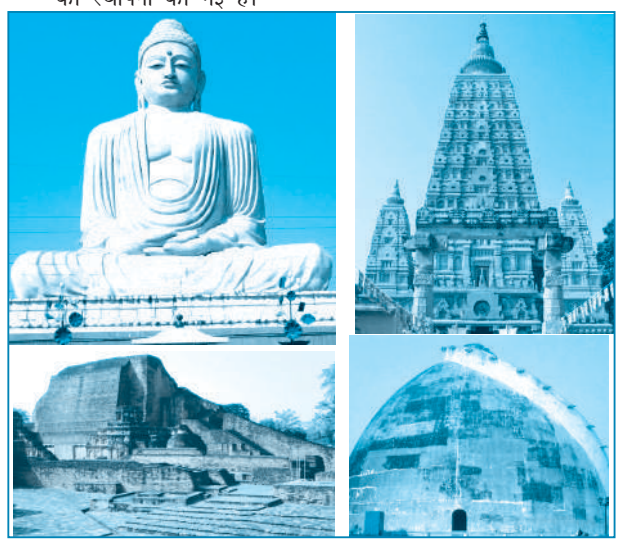

- **विक्रमशिला :** प्राचीनकालीन स्थल विक्रमशिला, भागलपुर ज़िले में अवस्थित है। यहीं पर पाल वंशीय शासक धर्मपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। जहाँ पर विदेशी पर्यटक एवं शिक्षार्थी शिक्षा ग्रहण हेतु आते रहे हैं।
- **राजगीर :** प्राचीन काल में राजगीर का नाम गिरिव्रज था। यह सबसे बड़े साम्राज्य मगध की राजधानी थी। प्रथम बौद्ध संगीति अजातशत्रु के नेतृत्व में यहीं संपन्न हुई। राजगीर में पर्यटन की दृष्टि से विश्व शांति स्तूप बहुत ही सराहनीय है। यहाँ आज भी विरासत के तौर पर गर्म जल के झरने का रूप दर्शनीय है।

बिहार में स्थित धार्मिक पर्यटन स्थल	अवस्थित ज़िला
चैतन्य महाप्रभु मंदिर, काली स्थान, अन्नपूर्णा मंदिर, बिड़ला मंदिर, शीतला माता मंदिर, हरिहर मंदिर, इमामबाड़ा, पत्थर की मस्जिद, फुलवारी शरीफ का खानकाह, पादरी की हवेली, गुरुद्वारा हांडी साहिब, बड़ी पटन देवी मंदिर, छोटी पटन देवी मंदिर	पटना
देव मंदिर (सूर्य मंदिर), चंडीस्थान	औरंगाबाद
कमल सरोवर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, विष्णुपद मंदिर	गया

19 कला एवं संस्कृति (Art and Culture)

भूमिका (Introduction)

किसी भी क्षेत्र विशेष के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जीवन की पहचान हेतु ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ वहाँ के विभिन्न धार्मिक पर्वों, त्योहारों, मेलों, रहन-सहन आदि का प्रमुख स्थान होता है। उल्लेखनीय है कि यह हमारी कला एवं संस्कृति का भाग भी है। बिहार के संदर्भ में कहें तो यह बहुत व्यापक तथा समृद्ध कला एवं संस्कृति को संजोए हुए है। यहाँ प्राचीन काल की मौर्यकला से लेकर मध्यकालीन अफगान कला तथा आधुनिक काल में पटना व मधुबनी कला का इतिहास भी बेहद सराहनीय रहा है। इसके अलावा बिहार की भूमि से ही दो महानतम धार्मिक परंपराओं- बौद्ध तथा जैन, का उद्भव हुआ है जिसका प्रभाव व्यापक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दृष्टिगोचर होता है।

लोकनाट्य *(Folk Drama)*

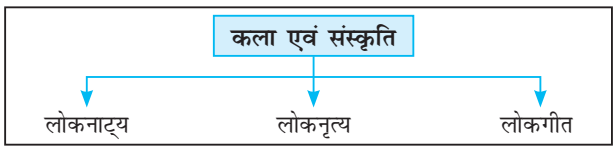

बिहार की सांस्कृतिक परंपरा में लोकनाट्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। विभिन्न शुभ एवं मांगलिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों के अवसर पर इसका आयोजन किया जाता है। प्रायः लोकनाट्य कार्यक्रम के संचालन हेतु मंच की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि यह कार्यक्रम कुछ घंटों के लिये रात्रि में प्रस्तुत किया जाता है। सामान्यतः लोकनाट्य में गीत-संगीत, वाद-संवाद, कथानक, अभिनय एवं नृत्य का आयोजन होता है।

बिहार में प्रचलित महत्त्वपूर्ण लोकनाट्य
(Important Folk Dramas Popular in Bihar)

लोकनाट्य	महत्त्व/उद्देश्य
डोमकच	इसमें केवल महिलाएँ भाग लेती हैं। सामान्यतः विवाह-समारोह के दौरान जब वर पक्ष की तरफ से बारात निकल जाती है, तो रात्रि में महिलाएँ घर-परिवार की सुरक्षा हेतु डोमकच का पाठ करती हैं, जिसमें वे पुरुषों के कपड़े पहनकर पुलिस, डोमिन, अधिकारी आदि बनती हैं।
जट-जाटिन	इसमें मुख्यतः कुँआरी लड़कियाँ (महिलाएँ) भाग लेती हैं। इसका आयोजन सावन महीने से लेकर कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष तक होता है। इसमें जट पक्ष में लड़कियाँ दूल्हे के कपड़ों में जबकि जाटिन पक्ष में लड़कियों को दुल्हन की तरह सजाकर नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।
बिदेसिया	इसमें केवल पुरुष कलाकार, जो महिलाओं की भी भूमिका निभाते हैं, शामिल होते हैं। इसके प्रारंभकर्त्ता भिखारी ठाकुर थे। इसमें जोकर, लवंडा आदि दर्शकों को हँसाने का काम करते हैं।
किरतनियाँ	इसमें खासकर श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान एवं नाट्य का स्वरूप किया जाता है, जिसमें ढोलक, झाल, हारमोनियम आदि का प्रयोग किया जाता है।
सामा-चकेवा	इस लोकनाट्य में पात्र भाई-बहन की भूमिका में होते हैं। यह लोकनाट्य कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष में सप्तमी तिथि से पूर्णिमा तिथि तक आयोजित होता है। इसमें प्रायः कुँआरी कन्याएँ पाठ प्रस्तुत करती हैं इसके पात्र प्रायः मिट्टी के बने होते हैं।

बिहार में वर्तमान में लोकनाट्य संगठन का ज़िलेवार विवरण (District wise Folk Drama Organisations at Present in Bihar)

सर्जना, सागर लोकनाट्य संगठन/संस्थान, नाट्य परिषद, दिशा, प्रेम आर्ट, आदर्श नाट्य कला आदि।	भागलपुर
अक्षरा आर्ट्स, रूपाक्षर, कला निकुंज, कला त्रिवेणी, भंगिमा, अनामिका, सर्जना, बिहार आर्ट थियेटर, भारतीय जन-नाट्य संघ, निराला क्लब	पटना
मयूर कला केंद्र, शिवम् सांस्कृतिक मंच, हिंद कला केंद्र, इंद्रजाल, मनोरमा	छपरा
कला-निधि, नाट्य स्तुति	गया
कामायनी, यवनिका, युवा नीति, नटी, नवोदय संघ, भोजपुर मंच	आरा
भूमिका, दर्पण कला, सूत्रधार, मंथन कला परिषद	खगौल (पटना)
जनचेतना	सुल्तानगंज (भागलपुर)
रंग	मुज़फ्फरपुर
नवरंग कला मंच	बक्सर
बहुरूपिया, बहुरंग	दानापुर (पटना)
नाट्य भारती, एक्टर्स ग्रुप	औरंगाबाद

20 पुरस्कार एवं सम्मान (Awards and Honours)

भूमिका (Introduction)

बिहार के राज्य, राष्ट्र और वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी महान उपलब्धियों के लिये राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान दिये जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और अन्य विशेष अवसरों पर आयोजित ऐसे समारोहों में पुरस्कार एवं सम्मान पाने वाले व्यक्तियों को स्मृति चिह्न, शॉल एवं नकद उपहारस्वरूप दिये जाते हैं। राज्य सरकार के अलावा ऐसे कुछ पुरस्कार और सम्मान राज्य स्तरीय विशेष संस्थाओं द्वारा भी प्रदान किये जाते हैं; जैसे- संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी, भोजपुरी अकादमी इत्यादि। बिहार राज्य से संबंधित पुरस्कारों एवं सम्मानों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-

बिहार गौरव सम्मान *(Bihar Gaurav Award)*

- बिहार गौरव सम्मान 'प्रतिवर्ष उन बिहारियों को प्रदान किया जाता है जिनकी वजह से बिहार का नाम देश-दुनिया में रोशन हुआ हो।'
- इसकी शुरुआत की घोषणा 2009 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुपर-30 के सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह के दौरान की।
- यह पुरस्कार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं और स्पर्द्धाओं में अपनी विशिष्ट प्रतिभा का परिचय देने वाले व्यक्ति को भी दिया जाता है।
- बिहार गौरव का पहला पुरस्कार 'शितिकंठ' को दिया गया जिसके तहत पुरस्कार स्वरूप ₹1.50 लाख प्रदान किये गए।
- वर्ष 2019 का बिहार गौरव सम्मान खेल के प्रति समर्पित बिहार के **संजीव कुमार झा** को दिया गया।

बिहार कला पुरस्कार *(Bihar Art Award)*

- बिहार राज्य कला पुरस्कार प्रतिवर्ष 18 अक्तूबर को बिहार कला दिवस के अवसर पर प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार बिहार के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रदान किया जाता है।
- इसके अंतर्गत कई तरह के पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं जिनमें राष्ट्रीय सम्मान, लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान, राधा मोहन पुरस्कार इत्यादि प्रमुख हैं।
- बिहार कला पुरस्कार 2018-19 और 2019-20 में 37 कलाकारों को सम्मानित किया गया है।
- 2018-19 का बिहार कला पुरस्कार का राष्ट्रीय सम्मान शोभना नारायण (प्रदर्शन कला) और अपर्णा कौर (चाक्षुष कला) को एवं इस वर्ष का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार रजत घोष (चाक्षुष कला) और रामचंद्र माँझी (प्रदर्शन कला) को दिया गया।
- 2019-20 का बिहार कला पुरस्कार का राष्ट्रीय सम्मान जय झिरोटिया (चाक्षुष कला) जबकि लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार गणेश प्रसाद सिन्हा (प्रदर्शन कला) और सत्य नारायण लाल (चाक्षुष कला) को दिया गया।

बिहार शताब्दी पत्रकारिता सम्मान *(Bihar Centenary Journalism Award)*

- वर्ष 2012 में बिहार सरकार के सूचना एवं जन-संपर्क विभाग ने बिहार शताब्दी पत्रकारिता चयन समिति का गठन कर पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को पुरस्कृत करने का फैसला किया।
- बिहार के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास तथा महिलाओं, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के उत्थान से संबंधित समाचार, लेख, विश्लेषण, प्रसारण आदि के लिये यह पुरस्कार दिया जाता है।
- बिहार शताब्दी पत्रकार सम्मान के अंतर्गत कई प्रकार के सम्मान प्रदान किये जाते हैं।

बिहार पत्रकार सम्मान योजना

- वर्तमान राज्य सरकार ने बिहार पत्रकार सम्मान योजना 2019 की शुरुआत की है, जिसके तहत 20 साल तक का अनुभव रखने वाले पत्रकारों को पेंशन के रूप में प्रति माह ₹6,000 प्रदान किया जाएगा।
- योजना के तहत पत्रकार के मृत्यु के पश्चात् भी उनके आश्रित पत्नि/पति ₹3,000 प्रतिमाह की दर से यह सम्मान पेंशन प्राप्त करने के हकदार होंगे।

योजना के अंतर्गत विभिन्न सम्मान-

(i) शिवपूजन सहाय सम्मान (Shiv Pujan Sahai Award)

- यह सम्मान प्रिंट मीडिया से जुड़े पत्रकारों को उनकी महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के लिये दिया जाता है।
- इस सम्मान में अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र के साथ ₹1 लाख की राशि भी प्रदान की जाती है।

(ii) रामवृक्ष बेनीपुरी सम्मान (Ramvriksha Benipuri Award)

- यह सम्मान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकारों को उनकी महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के लिये प्रदान किया जाता है।
- इस सम्मान में अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र के साथ ₹1 लाख की राशि भी प्रदान की जाती है।
- वर्ष 2019 का रामवृक्ष बेनीपुरी पत्रकारिता सम्मान, **डॉ. आशीष कंधवे** को प्रदान किया गया था।

21 प्रसिद्ध व्यक्तित्व (Famous Personalities)

भूमिका (Introduction)

बिहार एक ऐसा राज्य है जो प्राचीन काल से ही विद्वानों एवं विभूतियों के मामले में धनी रहा है। जहाँ एक ओर बिहार के प्राचीन मनीषियों जैसे गौतम बुद्ध, महावीर, चाणक्य और आर्यभट्ट ने संपूर्ण विश्व पटल पर बिहार और भारत का नाम ऊँचा किया है, वहीं दूसरी ओर जयप्रकाश नारायण, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसी विभूतियों ने बिहार को नई दिशा देने का कार्य किया। बिहार में कुँअर सिंह, पीर अली और अमर सिंह जैसे वीर भी पैदा हुए जिन्होने आज़ादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागार्जुन, भिखारी ठाकुर, दिनकर, विद्यापति ने साहित्य के क्षेत्र में प्रतिनिधित्व किया वहीं कला के मामले में विंध्यवासिनी देवी, शारदा सिन्हा, जगदंबा देवी इत्यादि का नाम जगज़ाहिर है। विश्वस्तर पर बिहार को नई पहचान दिलाने वाली इन महान विभूतियों का परिचय निम्नलिखित है-

जयप्रकाश नारायण

- जयप्रकाश नारायण का जन्म बिहार के सारण ज़िले में सिताबदियारा नामक स्थान पर 11 अक्तूबर, 1902 ई. को हुआ।
- जयप्रकाश नारायण प्रसिद्ध समाज-सेवक, स्वतंत्रता सेनानी और महान राजनीतिक विचारक थे, इसलिये उन्हें 'लोकनायक' भी कहा जाता है।
- कॉन्ग्रेस समाजवादी दल की स्थापना करने के बाद इन्हें राष्ट्रीय स्तर के नेता की पहचान मिली लेकिन बाद में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने और 1975 में आपात स्थिति की घोषणा के बाद तत्कालीन सरकार के विरुद्ध 'संपूर्ण क्रांति' के आह्वान और उसकी सफलता ने इन्हें जन-जन के बीच लोकप्रिय बना दिया।
- समाज सेवा के लिये 1965 में इन्हें मैग्सेसे पुरस्कार एवं मरणोपरांत 1999 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- इनकी मृत्यु 8 अक्तूबर, 1979 को हृदय की बीमारी और मधुमेह के कारण हो गई।

राजकुमार शुक्ल

- राजकुमार शुक्ल बिहार के चंपारण ज़िले में मुरली भरहवा गाँव के निवासी थे।
- अंग्रेज़ों की तत्कालीन नील की खेती से जुड़ी तिन कठिया व्यवस्था के विरुद्ध इन्होंने आंदोलन की शुरुआत की और इसके लिये इन्होंने 1917 में महात्मा गांधी को चंपारण आने के लिये राज़ी किया।
- राजकुमार शुक्ल के अनुरोध पर ही गांधी जी चंपारण आए और चंपारण में सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया।
- चंपारण किसान आंदोलन ही देश की आज़ादी का असली संवाहक बना था क्योंकि राजकुमार शुक्ल और महात्मा गांधी के नेतृत्व में वहाँ के किसानों से आंदोलन को जो धार मिली उसने देश को आज़ादी तक पहुँचा दिया।

निवारणचंद्र दास गुप्ता

- निवारणचंद्र दास गुप्ता पुरुलिया ज़िला स्कूल के हेड मास्टर थे, साथ ही वे पुरुलिया के मानद ज़िला मजिस्ट्रेट भी थे।
- उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा शुरू किये गए 'असहयोग आंदोलन' में भाग लेने के लिये नौकरी छोड़ दी थी जिस कारण उन्हें जेल भेजा गया।
- जेल से छूटने के बाद उन्होंने अतुल चंद्र घोष के साथ मिलकर 'शिल्पाश्रम' की स्थापना की जहाँ आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस और राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं ने कई दौरे किये।
- वे 'मुक्ति' साप्ताहिक पत्रिका के भी संस्थापक-संपादक थे जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन और भाषा आंदोलन के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रभावती देवी

- प्रभावती देवी बिहार में स्वतंत्रता आंदोलन की महिला कार्यकर्त्ता थीं, जिनका जन्म बिहार के सिवान ज़िले में हुआ।
- प्रभावती देवी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पत्नी थीं।
- जब जयप्रकाश नारायण विज्ञान के अध्ययन के लिये अमेरिका चले गए तो उस दौरान वह गांधीजी के आश्रम गईं और वहाँ उन्होंने अपने आपको पूर्णत: कस्तूरबा के प्रति समर्पित कर दिया।
- प्रभावती देवी का कमला नेहरू के साथ भी घनिष्ठ संबंध था।
- प्रभावती देवी ने पटना में 'महिला चरखा समिति' की स्थापना की।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर, 1884 ई. को बिहार के सारण ज़िले में जीरादेई नामक गाँव में हुआ था।
- सरल वेश-भूषा, सामान्य रहन-सहन और विशाल चरित्र वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत के प्रथम राष्ट्रपति होने का गौरव हासिल है। इन्हें 'देशरत्न' की संज्ञा दी जाती है।
- राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्रता संग्राम में निरंतर सक्रिय रहे और 1919 ई. में रॉलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन तक सभी राष्ट्रीय आंदोलनों में इन्होंने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- राजेंद्र प्रसाद ने 1906 ई. में बिहारी छात्र सम्मेलन की स्थापना की।
- सच्चिदानंद सिन्हा के बाद राजेंद्र प्रसाद भारत की संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष नियुक्त किये गए।

डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा

- सच्चिदानंद सिन्हा राजनीतिक स्तर पर बिहार को एक पृथक् राज्य बनाने की आवाज़ उठाने वाले पहले व्यक्ति थे और इसके प्रयास में इन्होंने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

CHAT NOW

दृष्टि The Vision

1800-121-6260 011-47532596 Login Register

एन.सी.ई.आर.टी. टेस्ट | कक्षा कार्यक्रम | डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम
टेस्ट सीरीज़ | करेंट अफेयर्स | दृष्टि मीडिया

तैयारी का वह हिस्सा जो किताबों से पूरा नहीं हो सकता, उसके लिये हम आपको आमंत्रित करते हैं

अपनी लोकप्रिय वेबसाइट पर

www.drishtiias.com/hindi

तैयारी की रणनीति	मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न	पी.सी.एस. परीक्षा की तैयारी
डेली न्यूज़ और एडिटोरियल (अंग्रेज़ी के प्रमुख समाचार पत्रों से)	राज्यसभा/लोकसभा टी.वी. डिबेट	पी.आर.एस. कैप्सूल्स
माइंड मैप	60 Steps to Prelims	टू द पॉइंट
फोरम	एन.सी.ई.आर.टी. टेस्ट	महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स की जिस्ट
डेली करेंट टेस्ट (योजना, कुरुक्षेत्र सहित अन्य महत्त्वपूर्ण पत्रिकाओं के टेस्ट)	ब्लॉग	यू-ट्यूब चैनल

रोज़ाना एक घंटा इस वेबसाइट पर गुज़ारिये और प्रिलिम्स से इंटरव्यू तक की अपनी तैयारी को मज़बूत आधार प्रदान कीजिये।

For any query please contact:
87501 87501, 011-47532596

22 भारत की जनगणना-2011

भूमिका (Introduction)

- किसी निश्चित क्षेत्र एवं समय में निवास करने वाले मानवों की कुल संख्या को 'जनसंख्या' कहते हैं।
- जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है, जबकि चीन प्रथम स्थान पर जनसंख्या का निर्धारण जनगणना के माध्यम से किया जाता है।
- आधुनिक पद्धति एवं व्यवस्थित ढंग से सर्वप्रथम जनगणना 1749 में 'स्वीडन' में हुई थी। 1790 में सर्वप्रथम दशकीय जनगणना का कार्य 'अमेरिका' में हुआ था।
- भारत में सर्वप्रथम जनगणना 1872 में 'लॉर्ड मेयो' के कार्यकाल में हुई थी। 1881 में 'लॉर्ड रिपन' के कार्यकाल से इसे प्रत्येक दस वर्ष के अंतराल पर कराया जाने लगा, जो आज भी जारी है।
- भारत में 1911-1921 के दशक में जनसंख्या की वृद्धि दर न्यूनतम रही थी इसलिये वर्ष 1921 'महाविभाजक वर्ष' (Great Divide Year) कहलाता है।
- भारत में वर्ष 1872 के बाद वर्ष 2011 की जनगणना, जनगणना क्रम की 15वीं जनगणना है जबकि स्वतंत्र भारत की यह 7वीं जनगणना है।
- जनगणना आर्थिक गतिविधि, साक्षरता व शिक्षा, आवास और घरेलू सुख-सुविधाओं, शहरीकरण, जन्म दर और मृत्यु दर, अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों, भाषा, धर्म, पलायन, दिव्यांगता तथा अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक और जनांकिकी संबंधी आँकड़ों के बारे में सांख्यिकी एकत्रित करने का सबसे विश्वसनीय स्रोत है।
- देश की जनगणना का दायित्व भारतीय संविधान के अनुच्छेद-246 के अनुसार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन महापंजीयन कार्यालय और जनगणना आयुक्त का होता है। देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फील्ड अधिकारी होते हैं। इन फील्ड अधिकारियों के प्रधान 'जनगणना कार्य निदेशक' होते हैं जो अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में जनगणना कराते हैं।
- जनगणना-2011 का कार्य दो चरणों में पूरा किया गया। पहले चरण में आवास के बारे में जानकारी को शामिल किया गया। इसमें मकान के इस्तेमाल, लोगों को उपलब्ध सुविधाएँ और उनकी संपत्ति के बारे में जानकारी एकत्र की गई। दूसरे चरण में जनसंख्या की गिनती का कार्य देश भर में किया गया। इसे 'जनसंख्या गणना' नाम दिया गया।
- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या लगभग 121.09 करोड़ है, जिसमें पुरुषों की संख्या 51.47 प्रतिशत तथा महिलाओं की संख्या 48.53 प्रतिशत है।
- भारत में सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम एवं केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप है।

जनसंख्या घनत्व *(Population Density)*

- प्रतिवर्ग किलोमीटर क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की संख्या के औसत को 'जनसंख्या घनत्व' कहते हैं।
- वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 17.72 प्रतिशत की दशकीय वृद्धि के साथ भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति/वर्ग किमी. है, जो कि 2001 के जनघनत्व 325 से 57 अधिक है अर्थात् भूमि एवं संसाधनों पर दबाव बढ़ा है।
- राज्य स्तर पर जनसंख्या घनत्व में काफी भिन्नताएँ हैं। जनगणना-2011 के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश में जहाँ जनघनत्व (न्यूनतम) मात्र 17 व्यक्ति/वर्ग किमी. है, वहीं बिहार (अधिकतम) में यह 1,106 व्यक्ति/वर्ग किमी. है।
- वर्ष 1901 में भारत का जनघनत्व मात्र 77 व्यक्ति/वर्ग किमी. था।

लिंगानुपात *(Sex Ratio)*

- लिंगानुपात समाज में एक निश्चित काल के दौरान पुरुषों एवं महिलाओं के बीच प्रचलित समानता को मापने का एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक संकेतक होता है।
- लिंगानुपात को प्रति 1,000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत का लिंगानुपात 943 है जो यह प्रदर्शित करता है कि भारत में पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों की संख्या कम है। 2001 में यह 933 था, अर्थात् पिछले दशक की अपेक्षा इसमें 10 अंकों का सुधार हुआ है।
- 1901 के बाद कुछ अपवादों को छोड़कर लिंगानुपात में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। 1901 में लिंगानुपात 972 था, जिसमें 1941 तक क्रमिक ह्रास का दौर चलता रहा। अपवादस्वरूप वर्ष 1951 में 1 अंक, 1981 में 4 अंक, 2001 में 6 अंक तथा 2011 में 10 अंक की बढ़ोतरी देखी गई। लिंगानुपात का न्यूनतम स्तर वर्ष 1991 में 927 था।

नोटः लिंगानुपात के परिप्रेक्ष्य में भारत की स्थिति पड़ोसी देशों के साथ इस प्रकार है- चीन-926, पाकिस्तान-943, बांग्लादेश-978, नेपाल-1,014, श्रीलंका-1,034, म्याँमार-1,048

23 बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2020–21) व बिहार बजट (2021–22) विश्लेषण

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2020–21)

अध्याय 1 : बिहार की अर्थव्यवस्था : एक अवलोकन

- सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) स्थिर मूल्य पर बिहार की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2019–20 में 10.5 प्रतिशत थी जो भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर से अधिक है।

सकल घरेलू उत्पाद और सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वास्तविक वृद्धि दरें

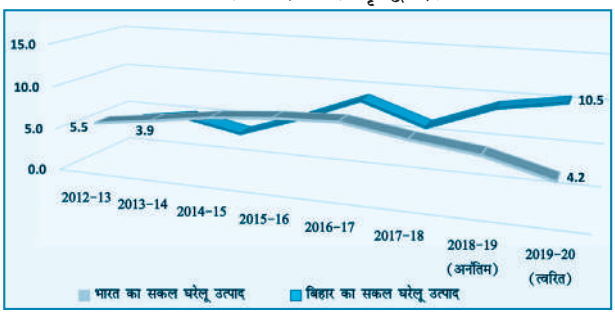

- 2019–20 में बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद वर्तमान मूल्य पर ₹ 6,11,804 करोड़ और 2011–12 के स्थिर मूल्य पर ₹ 4,14,977 करोड़ था। वहीं, 2019–20 में बिहार का निवल राज्य घरेलू उत्पाद वर्तमान मूल्य पर ₹ 5,62,710 करोड़ और 2011–12 के स्थिर मूल्य पर ₹ 3,77,276 करोड़ था। राज्य में **प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद** वर्तमान मूल्य पर **₹50,735** और 2011–12 के स्थिर मूल्य पर **₹34,413** था।
- द्वितीयक क्षेत्र की वृद्धि दरों में उतार-चढ़ाव रहा है जो 2017–18 में 4.8 प्रतिशत थी तो 2016–17 में 14.3 प्रतिशत। द्वितीयक क्षेत्र के अंदर तेज वृद्धि दरों वाले दो क्षेत्र थे – विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य जनोपयोगी सेवाएं तथा विनिर्माण।
- वर्ष 2019–20 में विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य जनोपयोगी सेवाएं की वृद्धि दर 20.3 प्रतिशत थी और विनिर्माण की 11.4 प्रतिशत। तृतीयक क्षेत्र में तीन क्षेत्रों में 2018–19 और 2019–20, दोनो वर्षों में दो अंकों में वृद्धि दर दर्ज हुई है। ये क्षेत्र हैं – पथ परिवहन, परिवहन संबंधी सेवाएं और लोक प्रशासन।
- तीन प्रमुख क्षेत्रों (प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक) में से प्राथमिक क्षेत्र के हिस्से में लगातार गिरावट आई है जो 2013–14 के 23.4 प्रतिशत से घटकर 2019–20 में 19.5 प्रतिशत रह गया। वहीं, द्वितीयक क्षेत्र के हिस्से में मामूली बदलाव आया है जो 2013–14 के 19.3 प्रतिशत से 2019–20 में 20.3 प्रतिशत हो गया। लेकिन तृतीयक क्षेत्र के हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो 2013–14 के 57.3 प्रतिशत से बढ़कर 2019–20 में 60.2 प्रतिशत हो गया।
- इसी प्रकार, विस्तृत क्षेत्रगत वर्गीकरण पर ध्यान देने पर दिखता है कि फसल क्षेत्र का हिस्सा 2013–14 में 14.2 प्रतिशत था जो 4.5 प्रतिशत घटकर 2019–20 में 9.7 प्रतिशत रह गया। वहीं, 2013–14 से 2019–20 के बीच सकल राज्य मूल्यवर्धन में तृतीयक क्षेत्र में दो उप-क्षेत्रों का हिस्सा उल्लेखनीय ढंग से बढ़ा है- पथ परिवहन का 4.4 प्रतिशत से 5.9 प्रतिशत और अन्य सेवाओं का 10.5 प्रतिशत से 13.8 प्रतिशत।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद की क्षेत्रगत वृद्धि दरें (2018–19 से 2019–20)

क्र. सं.	क्षेत्र	2018–19 (अनंतिम)		2019–20 (त्वरित)	
		वर्तमान मूल्य	स्थिर मूल्य	वर्तमान मूल्य	स्थिर मूल्य
1.	कृषि, वानिकी एवं मत्स्याखेट	4.5	1.7	10.8	0.0
1.1	फसल	0.3	-2.8	10.3	-6.0
1.2	पशुधन	13.0	11.0	13.1	9.1
1.3	वानिकी एवं सिल्ली निर्माण	7.2	2.4	7.4	2.4
1.4	मत्स्याखेट एवं जलकृषि	3.1	2.4	8.6	6.5
2.	खनन एवं उत्खनन	193.0	136.1	297.7	329.2
	प्राथमिक	**5.6**	**2.3**	**15.4**	**3.6**
3.	विनिर्माण	7.4	7.8	6.2	2.9
4.	विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य जनोपयोगी सेवाएँ	35.9	2.2	20.8	20.3
5.	निर्माण	14.1	10.2	13.2	11.4
	द्वितीयक	**12.6**	**8.5**	**10.9**	**8.2**
6.	व्यापार, मरम्मत, होटल एवं जलपानगृह	11.4	8.0	11.5	8.2

24 केंद्रीय बजट (2021–22)

बजट का सार (2021-22)

(₹ करोड़ में)

	2019-2020 वास्तविक	2020-2021 बजट अनुमान	2020-2021 संशोधित अनुमान	2021-2022 बजट अनुमान
1. राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts)	1684059	2020926	1555153	1788424
2. कर राजस्व (Tax Revenue) (केंद्र को निवल)	1356902	1635909	1344501	1545396
3. कर-भिन्न राजस्व (Non-Tax Revenue)	327157	385017	210652	243028
4. पूंजी प्राप्तियाँ (Capital Receipts)	1002271	1021304	1895152	1694812
5. ऋणों की वसूली (Recovery of Loans)	18316	14967	14497	13000
6. अन्य प्राप्तियाँ (Other Receipts)	50304	210000	32000	175000
7. उधार और अन्य देयताएँ* (Borrowings and Other Liabilities)	933651	796337	1848655	1506812
8. कुल प्राप्तियाँ (1 + 4) (Total Receipts)	2686330	3042230	3450305	3483236
9. कुल व्यय (10 + 13) (Total Expenditure)	2686330	3042230	3450305	3483236
10. राजस्व खाते पर जिसमें से (On Revenue Account of which)	2350604	2630145	3011142	2929000
11. ब्याज भुगतान (Interest Payments)	612070	708203	692900	809701
12. पूंजी परिसंपत्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान (Grants in Aid for creation of Capital Assets)	185641	206500	230376	219112
13. पूंजी खाते पर (On Capital Account)	335726	412085	439163	554236
14. राजस्व घाटा (10 – 1) (Revenue Deficit)	666545 (3.3)	609219 (2.7)	1455989 (7.5)	1140576(5.1)
15. प्रभावी राजस्व घाटा (14 – 12) (Effective Revenue Deficit)	480904 (2.4)	402719 (1.8)	1225613 (6.3)	921464 (4.1)
16. राजकोषीय घाटा [9 – (1 + 5 + 6)] (Fiscal Deficit)	933651 (4.6)	796337 (3.5)	1848655 (9.5)	1506812 (6.8)
17. प्राथमिक घाटा (16 – 11) (Primary Deficit)	321581 (1.6)	88134 (0.4)	1155755 (5.9)	697111 (3.1)

*इससे नगदी शेष में आहरण द्वारा कमी (Drawdown of Cash Balance) शामिल है।

25 बिहार समसामयिकी : एक नज़र में

बिहार सरकार द्वारा संचालित मुख्य योजनाएँ

महिला एवं बाल विकास

मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना

- इसके अंतर्गत महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक सशक्तीकरण एवं नवाचारी योजना के निमित्त विभिन्न योजनाओं के संचालन की स्वीकृति प्रदान की जाती है।
- इसके तहत अनैतिक कदाचार एवं घरेलू हिंसा से पीड़ित किशोरियों एवं महिलाओं के लिये विशेष योजनाएँ बनाई गई हैं।
- महिला विकास निगम द्वारा संचालित इस योजना के द्वारा स्वयं सहायता समूहों का गठन, पोषण तथा क्षमता निर्माण का कार्य, प्रखंड स्तरीय सहकारी समितियों के गठन आदि का कार्य कराया जाता है।
- इस योजना का लाभ गाँवों की महिलाओं मुख्यत: कमज़ोर और वंचित समुदाय से जुड़ी महिलाओं को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना

इस योजना के तहत बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित दसवीं कक्षा की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाली सामान्य श्रेणी एवं पिछड़ा वर्ग (BC-II) की छात्राओं को **₹10,000 प्रति छात्रा** प्रोत्साहन स्वरूप धनराशि उपलब्ध कराई जाती है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

- इसका उद्देश्य गरीब परिवारों को विवाह के समय आर्थिक सहायता प्रदान करना तथा बाल विवाह को हतोत्साहित करना है।
- इस योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को विवाह के समय **₹5000 की आर्थिक मदद दी जाती है।** (भुगतान: कन्या के नाम पर चेक, डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा)
- योजना के लाभ हेतु माता-पिता की वार्षिक आय का **₹60,000 से कम** होना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना

- इस योजना का उद्देश्य भ्रूण हत्या को रोकना, जन्म का पंजीकरण करना तथा कन्या जन्म को प्रोत्साहित करना है।
- इसके तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों में जन्म लेने वाली कन्या को जन्म के समय **₹2000** की राशि को यू.टी.आई. के चिल्ड्रेन कॅरियर बैलेंस्ड प्लान में कन्या के नाम से निवेश कर प्रमाणपत्र उपलब्ध करवाया जाता है।
- परिपक्वता मूल्य की राशि का भुगतान कन्या के 18 वर्ष पूर्ण होने पर किया जाता है।

मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना

- सरकार ने इस योजना के तहत स्नातक पास करने वाली प्रत्येक छात्रा को **₹25,000 देने की** घोषणा की है।
- इस योजना को आरटीएस **(राइट टू सर्विस)** कानून में शामिल किया जाएगा।
- इसके तहत किसी बालिका को उसके जन्म लेने से लेकर स्नातक करने तक **₹54,100 दिये** जाएंगे।
- इस योजना के तहत कन्या का जन्म होने पर **₹2000** दिये जाने का प्रावधान है।
- एक वर्ष की आयु पूर्ण करने तथा आधार से लिंक करने पर **₹1000** दिये जाएंगे।
- दो वर्ष पूर्ण करने तथा संपूर्ण टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा **₹2000 प्रदान** किये जाएंगे।
- शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा I-II की छात्राओं को **'पोशाक योजना'** के तहत प्रतिवर्ष **₹600**, कक्षा III-V की छात्राओं को प्रतिवर्ष **₹700**, कक्षा VI-VIII की छात्राओं को प्रतिवर्ष **₹1000** तथा कक्षा IX-XII की छात्राओं को प्रतिवर्ष **₹1500 दिये** जाएंगे।
- कक्षा VII-XII की छात्राओं को **'किशोरी स्वास्थ्य योजना'** के तहत सैनेटरी पैड हेतु प्रतिवर्ष **₹300** दिये जाने का प्रावधान है।
- इंटर उत्तीर्ण अविवाहित कन्या को एकमुश्त ₹10,000 तथा स्नातक उत्तीर्ण प्रत्येक छात्रा को एकमुश्त **₹25,000** कन्या के बैंक खाते में देने का प्रावधान किया गया है।
- इस योजना से राज्य की 1.60 करोड़ लड़कियों को फायदा होगा।

अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना

- इस योजना का उद्देश्य हिंदू समाज में व्याप्त जाति प्रथा के उन्मूलन हेतु अंतर्जातीय विवाह करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहन स्वरूप आर्थिक सहायता प्रदान करना है।
- इस योजना के तहत अंतर्जातीय विवाह करने वाली महिला को **₹1,00,000** की राशि अनुदान के रूप में दी जाती है जिसका भुगतान विवाह संपन्न होने के तीन महीने के भीतर संबंधित वधू को अधिकतम परिपक्वता राशि देने वाले राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा प्रमाणपत्र के माध्यम से किया जाता है।

26 BPSC प्रारंभिक परीक्षा (विगत वर्षों के प्रश्नपत्र)

66th BPSC

1. पर्चिनकारी (पिट्रा ड्यूरा) निम्न में से किससे संबंधित है?
   (a) दीवारों में अर्द्ध-कीमती पत्थर जड़कर फूलों की नक्काशी करना
   (b) मीनारों में टेढ़ी दीवार बनाना
   (c) संरचना में मेहराब का इस्तेमाल करना
   (d) इमारतों में मार्बल का प्रयोग करना
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
2. किस मुगल शासक ने चित्रकारी के लिये कारखाने बनवाए?
   (a) हुमायूँ (b) अकबर
   (c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
3. बंगाल में द्विशासन प्रणाली किसके द्वारा लागू की गई?
   (a) वारेन हेस्टिंग्स (b) विलियम बेंटिक
   (c) रॉबर्ट क्लाइव (d) लॉर्ड कर्जन
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
4. इनमें से किसने 1893 में शिकागो में आयोजित धर्म संसद में भाग लिया?
   (a) दयानंद सरस्वती (b) स्वामी विवेकानंद
   (c) महात्मा गांधी (d) राजा राममोहन राय
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
5. 1923 में स्वराज पार्टी का गठन किसने किया?
   (a) महात्मा गांधी
   (b) वल्लभ भाई पटेल
   (c) सी.आर. दास व मोतीलाल नेहरू
   (d) बी.आर. अंबेडकर
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
6. प्रसिद्ध नाटक 'नील दर्पण', जिसमें इंडिगो की खेती करने वाले किसानों के दमन का चित्रण किया गया, की रचना किसने की?
   (a) शरतचंद्र चटर्जी (b) रवीन्द्रनाथ टैगोर
   (c) बारींद्र घोष (d) दीनबंधु मित्र
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
7. 1760 का प्रसिद्ध वांडीवाश का युद्ध अंग्रेज़ों द्वारा किसके खिलाफ लड़ा गया?
   (a) फ्राँसीसी (b) स्पेन
   (c) मैसूर (d) कार्नेटिक
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
8. निम्न में से किस अधिनियम ने भारत में पृथक् निर्वाचक मंडल का आरंभ किया?
   (a) रेग्युलेटिंग अधिनियम, 1773
   (b) चार्टर अधिनियम, 1833
   (c) पिट्स इंडिया अधिनियम, 1784
   (d) भारतीय परिषद अधिनियम, 1909
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
9. 1831 में बुद्धो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह किस क्षेत्र में हुआ?
   (a) कच्छ (b) सिंहभूम
   (c) पश्चिमी घाट (d) सतारा
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
10. बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?
    (a) नाना साहब (b) तात्या टोपे
    (c) कुँअर सिंह (d) मौलवी अहमदुल्लाह
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
11. चंपारण में इंडिगो के किसानों की दशा की ओर गांधीजी का ध्यान किसने आकर्षित किया?
    (a) राजेन्द्र प्रसाद (b) अनुग्रह नारायण सिन्हा
    (c) आचार्य कृपलानी (d) राजकुमार शुक्ल
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
12. प्राचीन महाजनपद मगध की प्रथम राजधानी कौन-सी थी?
    (a) पाटलीपुत्र (b) वैशाली
    (c) चम्पा (d) अंग
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
13. स्वामी सहजानंद निम्न में से किससे संबंधित थे?
    (a) बिहार में जनजातीय आंदोलन
    (b) बिहार में मज़दूर आंदोलन
    (c) बिहार में किसान आंदोलन
    (d) बिहार में जाति आंदोलन
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
14. निम्न में से कौन-सा भारत में गांधीजी का प्रथम सत्याग्रह आंदोलन था, जिसमें उन्होंने सविनय अवज्ञा का प्रयोग किया?
    (a) चम्पारण (b) खेड़ा
    (c) अहमदाबाद (d) रौलेट सत्याग्रह
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
15. निम्न में से किस हड़प्पन नगर में जुते हुए खेतों के निशान मिले हैं?
    (a) कालीबंगन (b) धौलावीरा
    (c) मोहनजोदड़ो (d) लोथल
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
16. त्रिरत्न या तीन रत्न, जैसे सटीक ज्ञान, सच्ची आस्था और सटीक क्रिया, निम्न में से किससे संबंधित हैं?
    (a) बौद्ध धर्म (b) हिंदू धर्म
    (c) जैन धर्म (d) ईसाई धर्म
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th BPSC

1. सरकार की संसदीय व्यवस्था के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य सही है?
   (a) विधायिका, न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है।
   (b) विधायिका, कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है।
   (c) विधायिका एवं कार्यपालिका दोनों स्वतंत्र हैं।
   (d) राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है।
   (e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
2. निम्नलिखित में से किसका निर्माण पंचायती राज व्यवस्था के तहत हुआ था?
   (a) खाप पंचायत (b) जाति पंचायत
   (c) ग्राम पंचायत (d) जन पंचायत
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
3. निम्नलिखित में से कौन भूमि रिकॉर्ड अधिकारी है?
   (a) पटवारी (b) लम्बरदार
   (c) ज़मींदार (d) ज़ैलदार
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
4. निम्नलिखित विशेषताओं में से केंद्रीय शासन व्यवस्था के लिये कौन-सी सही नहीं है?
   (a) त्वरित निर्णय (b) लचीलापन
   (c) बड़े देशों के लिये आदर्श (d) कानून की एकरूपता
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
5. समुदाय विकास कार्यक्रम का क्या उद्देश्य है?
   (a) शैक्षणिक सुविधाएँ सुलभ कराना
   (b) जीवन-स्तर को बेहतर बनाना
   (c) राजनीतिक प्रशिक्षण
   (d) योजना बनाने में गाँवों की सहायता करना
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
6. आम आदमी पार्टी–
   (a) राज्य पार्टी है (b) राष्ट्रीय पार्टी है
   (c) क्षेत्रीय पार्टी है (d) पंजीकृत पार्टी है
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
7. निम्नलिखित संवैधानिक उपचारों में से किसे 'पोस्टमॉर्टम' भी कहा जाता है?
   (a) प्रतिषेध (b) परमादेश
   (c) उत्प्रेषण (d) अधिकार-पृच्छा
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
8. भारत में मतदान के लिये प्रयोग की जाने वाली मशीन VVPAT का संस्करण क्या है?
   (a) M1 (b) Z1
   (c) M3 (d) Z3
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
9. निम्नलिखित भारतीय राज्यों में से किसकी राज्य विधानसभा में सदस्यों की संख्या अधिक है?
   (a) अरुणाचल प्रदेश (b) हिमाचल प्रदेश
   (c) मणिपुर (d) मेघालय
   (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
10. भारत के वरीयता-क्रम में निम्नलिखित में से कौन पहले आता है?
    (a) UPSC का अध्यक्ष
    (b) मुख्य चुनाव आयुक्त
    (c) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
    (d) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
11. भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण कौन करता है?
    (a) कृषि लागत एवं मूल्य आयोग
    (b) कृषि मंत्रालय
    (c) वित्त आयोग
    (d) नाबार्ड
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
12. हिंदू वृद्धि दर किससे संबंधित है?
    (a) मुद्रा (b) जी.डी.पी.
    (c) जनसंख्या (d) जी.एन.पी.
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
13. बिहार में 'कृषि कुंभ मेला, 2019' कहाँ आयोजित हुआ?
    (a) चंपारण (b) मोतिहारी
    (c) राजगीर (d) गया
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
14. नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक, 2019 के अनुसार बिहार राज्य का स्कोर है–
    (a) 30.12 (b) 30.13
    (c) 32.11 (d) 32.12
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
15. जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में बाल लिंग अनुपात था–
    (a) 935 (b) 934
    (c) 933 (d) 932
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
16. वर्ष 2017-18 के दौरान बिहार में तृतीयक क्षेत्र की विकास दर थी–
    (a) 14.2% (b) 14.6%
    (c) 15.6% (d) 15.2%
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
17. वर्ष 2017-18 में मौजूदा कीमतों पर बिहार राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) था–
    (a) ₹4,87,628 करोड़ (b) ₹3,61,504 करोड़
    (c) ₹1,50,036 करोड़ (d) ₹5,63,424 करोड़
    (e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th BPSC

1. अक्तूबर 2018 के प्रथम सप्ताह में भारत की रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण किस देश की त्रिदिवसीय यात्रा पर गई थीं?
(a) रूस (b) कजाकिस्तान
(c) यूक्रेन (d) चीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

2. अक्टूबर 2018 में निम्न में से किस देश की संसद ने आंग सान सू की से मानद नागरिकता वापस ले ली?
(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) यूनाइटेड किंगडम
(c) नॉर्वे (d) कनाडा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

3. निम्न में से कौन 'नाफ्टा' में सम्मिलित नहीं है?
(a) ग्रेट ब्रिटेन (b) कनाडा
(c) मेक्सिको (d) संयुक्त राज्य अमेरिका
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

4. सितम्बर 2018 में भारत ने किस देश के साथ 'मोबिलाइज़ योर सिटी' समझौते पर हस्ताक्षर किया?
(a) स्वीडेन (b) जर्मनी
(c) जापान (d) फ्राँस
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

5. अगस्त 2018 में विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने किस देश में 'पाणिनि भाषा प्रयोगशाला' का उद्घाटन किया?
(a) श्रीलंका (b) दक्षिण अफ्रीका
(c) मॉरीशस (d) इंडोनेशिया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

6. अगस्त 2018 में किस देश ने भारतीय मूल के प्रवासी लोगों के लिये 'अंग प्रत्यारोपण की सुविधा देने संबंधी कानून' बनाया है?
(a) यूनाइटेड किंगडम (b) कनाडा
(c) संयुक्त राज्य अमेरिका (d) सिंगापुर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

7. नवम्बर 2017 में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव में एमर्सन मनांगाग्वा किस देश के राष्ट्रपति चुने गए हैं?
(a) युगांडा (b) केन्या
(c) जिम्बाब्वे (d) घाना
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

8. किस देश में विगत दो वर्षों से लागू आपातकाल को 20 जुलाई, 2018 को समाप्त किया गया?
(a) इराक (b) सीरिया
(c) तुर्की (d) यमन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. जून 2018 में पोलियो के प्रकोप के कारण किस देश में आपातकाल लागू किया गया?
(a) पापुआ न्यू गिनी (b) फिजी
(c) फिलीपीन्स (d) माली
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. 29 सितम्बर, 2018 को बांग्लादेश को हराकर भारत ने कुल कितनी बार क्रिकेट का एशिया कप जीता?
(a) छठी बार (b) सातवीं बार
(c) आठवीं बार (d) नौवीं बार
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

11. 18वें एशियाई खेल, 2018 (जकार्ता) में भारत द्वारा जीते गए पदकों का सही क्रम निम्न में से कौन-सा है?

	स्वर्ण	*रजत*	*कांस्य*	*कुल*
(a)	15	21	33	69
(b)	15	32	22	69
(c)	15	30	24	69
(d)	15	24	30	69

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. अगस्त 2018 में ए.टी.एफ के रूप में बायो-फ्यूल का प्रयोग करने वाली प्रथम भारतीय विमानन कम्पनी कौन-सी है?
(a) जेट एयरवेज (b) विस्तारा
(c) एयर इंडिया (d) स्पाइसजेट
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

13. जून 2018 में भारत की एक महत्त्वाकांक्षी योजना 'अटल भूजल योजना' के लिये विश्व बैंक के कितनी धनराशि मंजूर की है?
(a) ₹ 5,000 करोड़ (b) ₹ 6,000 करोड़
(c) ₹ 7,000 करोड़ (d) ₹ 8,000 करोड़
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

14. आई.आई.टी., खड़गपुर के अध्ययन दल की रिपोर्ट के अनुसार लगातार कितने वर्षों की न के बराबर वर्षा का होना सिन्धु घाटी सभ्यता के पतन का कारण रहा था?
(a) 600 वर्ष (b) 700 वर्ष
(c) 800 वर्ष (d) 900 वर्ष
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

15. फरवरी 2018 में जारी भारत में वनों की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार भारत का कितना प्रतिशत भाग वन-क्षेत्र के अंतर्गत आता है?
(a) 23.00% (b) 23.40%
(c) 24.00% (d) 24.40%
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

16. जनवरी 2018 में भारत के किस राज्य ने लोगों को वृक्षों के साथ मानवीय रिश्ता (भाई-बहन) बनाने की मंजूरी प्रदान की?
(a) असम (b) सिक्किम
(c) नागालैंड (d) मणिपुर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

17. 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण, 2018' में किस ज़िले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ?
(a) गया–बिहार (b) तूतीकोरिन–तमिलनाडु
(c) सतारा–महाराष्ट्र (d) मेरठ–उत्तर प्रदेश
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd BPSC

1. घड़ी में प्रयोग होने वाले काट्र्ज़ क्रिस्टल होते हैं–
(a) सोडियम सिलिकेट (b) सिलिकन डाइऑक्साइड
(c) जर्मेनियम ऑक्साइड (d) टाइटेनियम डाइऑक्साइड
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
2. ब्रोमीन होती है–
(a) रंगहीन गैस (b) भूरी ठोस
(c) अत्यंत ज्वलनशील गैस (d) लाल द्रव
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
3. वेल्डिंग में प्रयोग होने वाली गैसें हैं–
(a) ऑक्सीजन तथा हाइड्रोजन
(b) ऑक्सीजन तथा नाइट्रोजन
(c) ऑक्सीजन तथा ऐसीटिलीन
(d) हाइड्रोजन तथा ऐसीटिलीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
4. गैल्वेनाइज़्ड लोहे के पाइप पर परत होती है–
(a) जस्ते की (b) पारे की
(c) लेड की (d) क्रोमियम की
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
5. दृश्य स्पेक्ट्रम के तरंगदैर्ध्य की सीमा है–
(a) 1300 Å–3900 Å (b) 3900 Å–7600 Å
(c) 7800 Å–8200 Å (d) 8500 Å–9800 Å
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
6. कपड़े साफ करने में प्रयोग होने वाले डिटर्जेंट हैं–
(a) कार्बोनेट (b) बाइकार्बोनेट
(c) बिस्मथेट (d) सल्फोनेट
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
7. वह तत्त्व, जो मानव पसीने के माध्यम से उत्सर्जित होता है, है–
(a) गंधक (b) लोहा
(c) मैग्रीशियम (d) जस्ता
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
8. नीला थोथा रासायनिक रूप से है–
(a) सोडियम सल्फेट (b) निकल सल्फेट
(c) कॉपर सल्फेट (d) आयरन सल्फेट
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
9. एक परमाणु के केंद्र का धनावेशित हिस्सा कहलाता है–
(a) प्रोटॉन (b) न्यूट्रॉन
(c) इलेक्ट्रॉन (d) न्यूक्लियस
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
10. एक ठोस के सीधे गैस में परिवर्तन को कहते हैं–
(a) ऊर्ध्वपातन (b) संघनन
(c) वाष्पन (d) उबलना
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
11. मानव तंत्र में इंसुलिन किसका चयापचय (मेटाबोलिज़्म) नियंत्रित करता है?
(a) वसा (b) कार्बोहाइड्रेट
(c) प्रोटीन (d) न्यूक्लिक अम्ल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
12. निम्नलिखित में से ऐंटिबायोटिक है–
(a) पेनिसिलिन (b) ऐस्पिरिन
(c) पैरासीटामोल (d) सल्फाडायाजीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
13. निम्नलिखित में से कौन-सा मुख्यत: कार्बोहाड्रेट है?
(a) गेहूँ (b) जौ
(c) चावल (d) मक्का
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
14. निम्नलिखित में से सबसे भारी धातु है–
(a) सोना (b) चाँदी
(c) पारा (d) प्लैटिनम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
15. स्टेनलेस स्टील एक मिश्रधातु है–
(a) लोहे और निकल की (b) लोहे और क्रोमियम की
(c) ताँबे और क्रोमियम की (d) लोहे और जस्ते की
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
16. टूटी हुई हड्डियों की रक्षा के लिये प्लास्टर ऑफ पेरिस का प्रयोग होता है। यह है–
(a) बुझा चूना (b) कैल्सियम कार्बोनेट
(c) कैल्सियम ऑक्साइड (d) जिप्सम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
17. एक हाइड्राकार्बन, जिसमें कार्बन के दो परमाणु द्विबंध द्वारा जुड़े हों, कहलाता है–
(a) ऐल्केन (b) ऐल्कीन
(c) ऐल्काइन (d) आयनिक बंध
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
18. सिरके का रासायनिक नाम है–
(a) मेथेनॉल (b) एथेनॉल
(c) ऐसीटिक अम्ल (d) एथिल ऐसीटेट
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
19. कार के बैटरी में प्रयोग होने वाला अम्ल है–
(a) ऐसीटिक अम्ल (b) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल
(c) नाइट्रिक अम्ल (d) सल्फ्यूरिक अम्ल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
20. सोडा वाटर की बोतल खोलने पर निकलने वाली गैस है–
(a) कार्बन डाइऑक्साइड (b) हाइड्रोजन
(c) नाइट्रोजन (d) सल्फर डाइऑक्साइड
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th-62nd BPSC

1. 1857 की क्रांति के दौरान बिहार में क्रांतिकारियों का नेता कौन था?
(a) नामदार खाँ (b) बाबू कुँवर सिंह
(c) बिरसा मुण्डा (d) शंकर शाह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
2. बिरसा को सोते हुए पकड़ा गया–
(a) 1 फरवरी, 1900 (b) 2 फरवरी, 1900
(c) 3 फरवरी, 1900 (d) 4 फरवरी, 1900
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
3. "मुसलमान यदि खुश और संतुष्ट हैं, तो भारत में ब्रिटिश शक्ति का महत्तम बचाव होगा।" यह किसने लिखा?
(a) हर्बर्ट रिसले (b) लॉर्ड लिटन
(c) डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर (d) एच.एन. ब्रेल्सफोर्ड
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
4. "मुझे विश्वास है कि कांग्रेस अपने विनाश की तरफ जा रही है और मेरी यह बड़ी इच्छा भारत में रहते होगी कि इसके शांतिप्रिय निधन के लिये इसका सहायक बनूँ।" यह किसने लिखा?
(a) लॉर्ड लिटन (b) लॉर्ड डफरिन
(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड मिन्टो
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
5. किसने यूरोपियन नील बागान मालिकों द्वारा किसानों के शोषण की तरफ गांधीजी का ध्यान आकर्षित किया?
(a) बाबा रामचन्द्र (b) राजकुमार शुक्ल
(c) स्वामी सहजानन्द सरस्वती (d) श्री कृष्ण सिंहा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
6. 1936 में लखनऊ में अखिल भारतीय किसान सभा का प्रथम अध्यक्ष किसे चुना गया?
(a) एन.जी. रंगा (b) ई.एम.एस. नम्बूद्रिपाद
(c) स्वामी सहजानन्द सरस्वती (d) आचार्य नरेन्द्र देव
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
7. लंदन में 13 मार्च, 1940 को सर माईकल ओ' डायर को गोली से मारा गया–
(a) मदनलाल धींगड़ा (b) एम.पी.टी. आचार्य
(c) वी.डी. सावरकर (d) उधम सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
8. 1919 में जब मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड अधिनियम पास हुआ था, तब इंग्लैंड का प्रधानमंत्री कौन था?
(a) लॉयड जॉर्ज (b) जॉर्ज हैमिल्टन
(c) सर सैमुअल होर (d) लॉर्ड सैलिशबरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
9. असहयोग आंदोलन के दौरान किसने पटना कॉलेज छोड़ा जबकि उसकी परीक्षा के केवल 20 दिन ही बचे थे?
(a) राजेन्द्र प्रसाद (b) ब्रज किशोर
(c) जयप्रकाश नारायण (d) श्रीकृष्ण सिन्हा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
10. समाजवाद का समर्थक कौन था और 1933 में ब्रिटिश शासन, देशी राज्यों, जमींदारवाद और पूँजीवाद को उखाड़ फेंकना चाहता था?
(a) राजेन्द्र प्रसाद (b) जवाहरलाल नेहरू
(c) भूलाभाई देसाई (d) सरदार पटेल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
11. अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना के लिये सुभाषचन्द्र बोस से कौन जुड़े और आई.एन.ए. आंदोलन के साथ भी जुड़े रहे?
(a) जयप्रकाश नारायण (b) बैकुंठ शुक्ल
(c) शीलभद्र याजी (d) रामनारायण प्रसाद
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
12. "भारतीय क्रांति की जननी' किसे कहा गया है?
(a) श्रीमती एनी बेसेन्ट
(b) स्नेहलता वाडेकर
(c) सरोजिनी नायडू
(d) मैडम भिखाजी रूस्तम कामा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
13. क्रांतिकारी गतिविधियों के साथ कौन-सी पत्रिका जुड़ी हुई नहीं थी?
(a) संध्या (b) युगांतर
(c) गदर (d) यंग इंडिया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
14. ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में चुने जाने वाले दादाभाई नौरोजी प्रथम भारतीय थे जिन्होंने इस दल की टिकट पर चुनाव लड़ा–
(a) उदारवादी दल (b) मजदूर दल
(c) कंजर्वेटिव दल (d) साम्यवादी दल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
15. स्वराज दल की स्थापना किसकी असफलता के बाद हुई?
(a) असहयोग आंदोलन (b) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(c) रौलट बिल सत्याग्रह (d) चम्पारन सत्याग्रह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
16. चिटगाँव शस्त्र छापामारी की योजना बनाई गई थी–
(a) सूर्य सेन (b) चन्दन दत्ता
(c) विधान घोष (d) जतिन दास
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
17. कैबिनेट मिशन भारत में आया–
(a) फरवरी, 1942 (b) मार्च, 1942
(c) अप्रैल, 1942 (d) मई, 1942
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
18. बिहार के किस वकील ने असहयोग आंदोलन के समय अपनी लाभप्रद वकालत छोड़ दी थी?
(a) जयप्रकाश नारायण (b) राजेन्द्र प्रसाद
(c) सहजानन्द सरस्वती (d) राजकुमार शुक्ल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

19. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्ववर्ती थी–
(a) ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन (b) इंडियन ऐसासिएशन
(c) इंडियन नेशनल यूनियन (d) इंडियन लीग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

20. 1929 में 'खुदाई खिदमतगार' को किसने संगठित किया?
(a) अब्दुल गफ्फार खाँ
(b) अली बंधु
(c) अन्सारी बंधु
(d) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

21. A, B, C किसी व्यवसाय में ₹20 लाख 7 : 2 : 1 के अनुपात में लगाते हैं। कुल लाभ 18% होता है। A को 30% तथा B को 20% कर चुकाना है। A का शुद्ध लाभ, B के शुद्ध लाभ से कितने प्रतिशत अधिक है?
(a) 118.8% (b) 180.0%
(c) 306.25% (d) 304.5%
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

22. यदि SURGICAL-STRIKE का कूट 13979313-129925 हो, तो METRO-TRAIN का कूट होगा–
(a) 15295-29195 (b) 45296-29195
(c) 45295-29194 (d) 15296-29195
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

23. x का मान क्रमागत पूर्णांक है तथा व्यंजक $x^3 + 3y - 3$ के प्रथम चार मान 7, 20, 45, 88 हैं, तो पाँचवा मान होगा–
(a) 137 (b) 155
(c) 158 (d) 143
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

24. अंकों तथा अक्षरों की श्रेणी A26H, C24F, G20B का अगला पद होगा–
(a) M13D (b) O11C
(c) M12B (d) M14E
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

25. किसी व्यक्ति के मूल वेतन ₹7700 पर महँगाई भत्ता 125% से बढ़कर 132% होता है तथा कर कटौती दोनों पर 20% से बढ़कर 22% होती है। उसको वेतन कितना बढ़ा हुआ मिला?
(a) ₹74.00 (b) ₹77.00
(c) ₹385.00 (d) ₹369.60
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

26. निम्न चित्र का अवलोकन कर ज्ञात कीजिये कि कौन-सा क्षेत्र स्वयं के घर में रहने वाले सरकारी कर्मचारी को निरूपित करता है जो स्नातक अवश्य है–

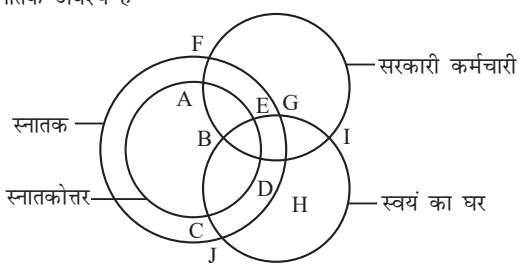

(a) EGHD (b) BED
(c) BHG (d) HGI
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

27. यदि चिह्न + गुणन को, × योग को, – विभाजन को, + अंतर को, > बराबर को तथा = अधिक है को निरूपित करते हैं, तो निम्न में से कौन-सा संबंध सत्य है?
(a) $12 - 2 + 3 \div 8 \times 1 > 12$
(b) $11 \times 2 \div 4 - 2 + 1 = 11$
(c) $7 \div 2 \times 5 - 5 + 2 = 7$
(d) $5 \times 6 - 3 \div 3 + 1 > 4$
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

28. संख्या 100 से 999 तक, अंक 9 कितनी बार आयेगा?
(a) 280 (b) 218
(c) 229 (d) 228
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

29. निम्न पाई-चार्ट में किसी उद्योग के विभिन्न खर्च दर्शाये गये हैं। कच्चे माल का कुल खर्च ₹30 लाख है। यदि मजदूरी का खर्च 5% बढ़ता है, तो लाभ को नियत रखने के लिये अन्य खर्च में कितनी कटौती करनी होगी?

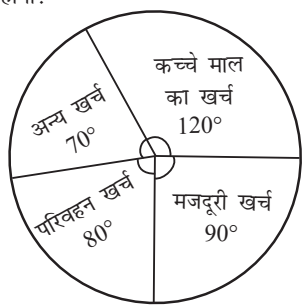

(a) 5.9% (b) 12.86%
(c) 6.43% (d) 6.21%
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

30. पानी की एक टंकी के तल में दो छेद A तथा B हैं। केवल A छेद खोलने पर भरी हुई टंकी 30 मिनट में खाली होती है तथा केवल B छेद खोलने पर 20 मिनट में। यदि 10 मिनट तक दोनों छेद खोलकर छेद B बंद कर दिया जाए, तो भरी हुई टंकी को खाली करने में कुल समय लगेगा?
(a) 18 मिनट (b) 15 मिनट
(c) 17 मिनट (d) 20 मिनट
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

31. निम्नलिखित में से किस युग्म में सही सुमेल नहीं है?
(a) विटामिन B_1 – संतरा
(b) विटामिन D – कॉड-यकृत तेल
(c) विटामिन E – गेहूँ-अंकुर तेल
(d) विटामिन K – ऐल्फाल्फा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

32. टेफ्लॉन निम्नलिखित में से किस एकलक का बहुलक है?
(a) टेट्राफ्लोरोएथिलीन
(b) विनाइल क्लोराइड

घर बैठे IAS/PCS की संपूर्ण तैयारी करने के लिये आपका स्वागत है

Drishti Learning App

पर

GET IT ON Google Play

अपने एंड्रॉयड फोन पर आज ही इंस्टॉल करें

ऐप की विशेषताएँ

- टीम दृष्टि द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएँ एक ही मंच पर।
- ऑनलाइन, पेनड्राइव मोड में कक्षाएँ उपलब्ध।
- प्रिलिम्स और मेन्स की टेस्ट सीरीज़ भी ऐप के माध्यम से उपलब्ध।
- सभी पुस्तकें, मैगजीन, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम के नोट्स देखने व मंगवाने की सुविधा।

ऑनलाइन कोर्स की विशेषताएँ

- घर बैठे देश के सर्वोत्कृष्ट अध्यापकों से पढ़ने की सुविधा।
- अब दिल्ली या किसी बड़े शहर जाकर पढ़ने की मजबूरी नहीं।
- IAS और PCS के कोर्स उपलब्ध।
- ऑनलाइन कोर्स करने के बाद, क्लासरूम कोर्स में प्रवेश लेने पर शुल्क में विशेष छूट।
- हर क्लास अपनी सुविधा से 3 बार देखने की सुविधा।
- उत्तर लिखकर चेक कराने तथा संदेह-समाधान की व्यवस्था भी शीघ्र उपलब्ध।
- कई विषयों के कोर्स ऑनलाइन और पेनड्राइव मोड में भी उपलब्ध।

दृष्टि आई.ए.एस. (दिल्ली शाखा) का पता
641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-09
8448485519, 87501 87501, 011-47532596

दृष्टि आई.ए.एस. (प्रयागराज शाखा) का पता
ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज
8448485518, 8750187501, 8929439702

दृष्टि आई.ए.एस. (राजस्थान शाखा) का पता
प्लॉट नंबर-45 व 45-A, हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड़,
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर राजस्थान-302018
8448485518, 8750187501, 8929439702

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

641, 1st Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-110009
Ph.: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtiias.com
E-mail: booksteam@groupdrishti.com

ISBN 978-93-90955-95-4

मूल्य : ₹ 300